RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22
सांध्य दैनिक
श्रीकंचनपथ
लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 14, अंक - 46 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, मंगलवार 29 नवंबर 2022 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास खबर...

बीजापुर में IED ब्लास्ट, गश्त पर निकला CRPF जवान गंभीर रूप से घायल, नक्सलियों की साजिश नाकाम करने फौज ने संभाला मोर्चा

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर में नक्सलियों के लगाए प्रेशर आईडी में ब्लास्ट हो गया। मंगलवार सुबह हुए इस धमाके की चपेट में आकर CRPF का एक जवान गंभीर रूप से घायल हो गया है। मिली जानकारी के अनुसार घटना जिले के उसूर इलाके के गलगम कैंप से पांच सौ मीटर की दूर की है। घायल जवान के आंखों में गंभीर चोटें आई है। जवान को इलाज के लिए रायपुर रेफर किया गया है।

मिली जानकारी के अनुसार मंगलवार सुबह 8 बजे रूटीन गश्त में निकले जवानों की टुकड़ी कैंप से करीब 5 सौ मीटर ही चली थी की नक्सलियों द्वारा लगाए प्रेशर IED के चपेट में आने से सीआरपीएफ 168 बटालियन का जवान दीपक कुमार घायल हो गया। घटना के तुरंत बाद साथी जवानों ने मोर्चा संभाल लिया। इस दौरान किसी तरह की क्रॉस फायरिंग नहीं हुई। घायल जवान को जिला अस्पताल में उपचार के लिए लाया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया गया।

हैलो, मैं कलेक्टर बोल रहा हूं, कल 20 हजार मेरे खाते में डाल देना, उड़ी सरपंचों की नींद

कवर्धा। खुद को कलेक्टर बताकर फोन पर गांव के सरपंचों से ठगी करने वाले एक शातिर ठग को पुलिस ने यूपी से गिरफ्तार किया है। आरोपी युवक भोले भाले ग्रामीण और सरपंचों को जिला कलेक्टर के नाम से फोन कर उनसे धोखाधड़ी कर रुपए की मांग करता था। आरोपी को जिला पुलिस टीम ने झांसी से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस ने जब कड़ाई से पूछताछ किया तो आरोपी ने अपना जुर्म स्वीकार कर लिया। उसने बताया कि खुद को कलेक्टर बताकर रुपए की मांग की थी। मामले में पुलिस ने धारा 511 भादवि जोड़ी। आरोपी के विरुद्ध अपराध धारा का घटित करना पाए जाने के चलते उसे गिरफ्तार किया और ज्यूडिसियल रिमांड पर न्यायालय पेश किया गया। वहां से आरोपी को जेल भेज दिया गया।

खेदामरा व कुरुद की जमीन पर वक्फ बोर्ड के दावे का विरोध

भाजपा व हिन्दू संगठनों ने जताई आपत्ति

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। शहर में इन दिनों सरकारी जमीन पर वक्फबोर्ड के दावे पर बवाल मचा हुआ है। दुर्ग जिले के कई खसरो पर वक्फबोर्ड के दावे के बाद पिछले दिनों तहसील कार्यालय में हिन्दूवादी संगठनों ने अपनी आपत्ति दर्ज कराई थी। ताजा मामले में मंगलवार को शहर के भाजपा नेता व हिन्दू वादी संगठनों के प्रतिनिधि आपत्ति दर्ज कराने पहुंचे। यह विरोध खेदामरा व कुरुद क्षेत्र की जमीन पर वक्फबोर्ड के दावे को लेकर थी।

बता दें पिछले दिनों राज्य वक्फबोर्ड ने दुर्ग शहर के नयापारा, कायस्थ पारा, प्रेस कांप्लेक्स, तहसील कार्यालय, पंचशील नगर के विभिन्न खसरा नंबर की सैकड़ों एकड़ जमीन पर अपनी स्वामित्व को लेकर दावा किया। इसका जमकर विवाद हुआ था जिसके बाद वह मामला ठंडा पड़ गया। ताजा मामले में भिलाई के खेदामरा व कुरुद की जमीन पर वक्फ बोर्ड ने अपना दावा पेश किया है। इसके लिए आवेदन पेश होने के बाद तहसीलदार ने दावा आपत्ति मंगाई थी।

भाजपा व हिन्दुवादी संगठनों ने जताई आपत्ति

दावा आपत्ति प्रस्तुत करने के बाद हिन्दुवादी संगठनों के साथ भाजपा नेता निगम में जमा हुए। इस दौरान जोरदार हंगामा भी हुआ। सुबह से ही मौके पर पुलिस बल भी तैनात दिखा। भाजपा जिला भिलाई अध्यक्ष बृजेश बिचपुरिया, संजय दानी सहित बड़ी संख्या में भाजपा के नेता मौके पर पहुंचे और अपनी ओर से आपत्ति प्रस्तुत की। इस दौरान भाजपा नेताओं ने सरकार पर भी निशाना साधा।

मध्यप्रदेश के समय का है मामला

इस संबंध में भिलाई की तहसीलदार क्षमा यदु ने कहा कि यह पूरा मामला मध्यप्रदेश के समय का है। वक्फबोर्ड ने जिस जमीन पर अपना दावा करते हुए आवेदन प्रस्तुत किया है उसमें से एक में कब्रिस्तान का जिक्र है और दूसरी जमीन खाली है। फिलहाल इस मामले में दावा आपत्ति मंगाई गई है। उन्होंने यह भी बताया उक्त जमीन वक्फबोर्ड के नाम पर नहीं है। आगे की कार्रवाई भी विधिवत की जाएगी।

बड़ा हादसा टला : अचानक ट्रेन बोगी से अलग हुआ इंजन आफत में पड़ी यात्रियों की जान

प्रयागराज (एजेंसी)। यहां बड़ा रेल हादसा होते-होते बच गया। सुबह-सुबह यात्री ट्रेन का इंजन बाकी बोगियों अलग हो गया। यह हादसा गंगा गोमती एक्सप्रेस के साथ हुआ जो प्रयागराज से लखनऊ जा रही थी। इस ट्रेन का इंजन बाकी डिब्बों से अलग हो गया। इससे यात्रियों की जान आफत में पड़ गई। गनीमत रही कि हादसे में ट्रेन का कोई डिब्बा न दुर्घटनाग्रस्त हुआ और न ही किसी यात्री को कोई चोट आई।

मिली जानकारी के अनुसर प्रयागराज से लखनऊ जाने बाली गंगा गोमती एक्सप्रेस में उस वक्त हड़कंप मच गई जब ट्रेन दो हिस्सों में अचानक बंट गई। इंजन के साथ दो डिब्बे आगे निकल गए जबकि बाकी डिब्बे पीछे ही छूट गए। हादसा मंगलवार की सुबह का बताया जा रहा है। घटना प्रयागराज के रामचौरा के पास की है। चलती ट्रेन से इंजन अलग होने से यात्री भी अचानक सकते में आ गए। हालांकि, हादसे में किसी को कोई नुकसान नहीं पहुंचा।

घटना की जानकारी मिलते ही रेलवे के अधिकारी मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की। शुरुआती में जांच के बाद बताया गया कि कपलिंग टूटने के कारण बोगियां अलग हो गई। बड़ा हादसा टलने से रेल प्रशासन और यात्रियों ने राहत की सांस ली है। वहीं रेलवे ने मामले की जांच के आदेश दिए हैं। आखिर कपलिंग क्यों और कैसे अलग हुआ इसकी जांच का निर्देश दिया गया है।

अविश्वास प्रस्ताव लाकर खुद क्रॉस वोटिंग की शिकार हो गई कांग्रेस, इस नपं में कांग्रेस पार्षदों ने भाजपा को दिया वोट

श्रीकंचनपथ न्यूज

बालोद। बालोद जिले के गुंडरदेही नगर पंचायत में नगर पंचायत अध्यक्ष को लेकर हुई वोटिंग में सोमवार को कांग्रेस पार्षदों ने अपनी ही पार्टी के खिलाफ जाकर भाजपा के पक्ष में वोट दे दिया। कांग्रेस की क्रॉस वोटिंग की बदौलत यहां अध्यक्ष पद पर एक बार फिर भाजपा का कब्जा हो गया।

कांग्रेसी पार्षद गए भाजपा में

अविश्वास प्रस्ताव पर गुंडरदेही नगर पंचायत में सोमवार की दोपहर वोटिंग की गई। एक कांग्रेसी पार्षद ने भाजपा के लिए वोट कर दिया। एक कांग्रेसी पार्षद कुछ वक्त पहले ही कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हो गया है। भाजपा की तरफ से इस अविश्वास प्रस्ताव को ध्वस्त करने का जिम्मा प्रभारी के रूप में भाजपा प्रदेश प्रवक्ता केदार गुप्ता को मिला था। इस विश्वास प्रस्ताव में भाजपा ने 10 वोट हासिल किए और कांग्रेस को 5 वोट मिला। यहां वर्तमान में भाजपा के 9 पार्षद हैं और कांग्रेस के 6। इस जीत के बाद बालोद जिला भाजपा अध्यक्ष कृष्ण कांत पवार ने कहा कांग्रेस के झूठे दावों का पोल नतीजों ने खोल दी।

भाजपा ने की जीत हासिल

हाल ही में कांग्रेस ने भ्रष्टाचार और जनता के कामों में लापरवाही का आरोप लगाकर नगर पंचायत अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया था। कांग्रेस के विधायक व संसदीय सचिव कुंवर सिंह निषाद ने मोर्चा संभाल रखा था। बावजूद कांग्रेस पार्षदों के क्रॉस वोटिंग से एक बार फिर नगर पंचायत अध्यक्ष के पद पर भाजपा की रानू सोनकर काबिज हो गई।

अज्ञात वाहन की टक्कर से तीन पत्रकारों की मौत, सीएम ने जताया दुख

विदिशा (एजेंसी)। मध्यप्रदेश के विदिशा में दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। हादसे में प्रेस क्लब अध्यक्ष समेत तीन पत्रकारों की मौत हो गई। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने हादसे पर गहरा दुख जताया है। हादसा सलामतपुर थाना अंतर्गत लंबाखेड़ा पर हुआ है। बताया जा रहा है कि लांबाखेड़ा मोड़ पर अज्ञात वाहन ने तीनों को टक्कर मार दिया। हादसे में विदिशा प्रेस क्लब अध्यक्ष राजेश शर्मा निवासी खरी फाटक रोड विदिशा, सुनील शर्मा सिंधी कॉलोनी, नरेंद्र दीक्षित निवासी आरएमपी नगर की मौत हो गई।

सीएम ने जताया दुख

सीएम शिवराज सिंह चौहान ने पत्रकारों के निधन पर दुख जताया है। उन्होंने ट्वीट कर लिखा कि विदिशा प्रेस क्लब के अध्यक्ष राजेश शर्मा और पत्रकार साथी सुनील शर्मा एवं नरेंद्र दीक्षित के दुर्घटना में निधन का दुखद समाचार प्राप्त हुआ है। ईश्वर से दिवंगत आत्माओं को अपने चरणों में स्थान और परिजनों को यह गहन दु:ख सहन करने की शक्ति देने की प्रार्थना करता हूं।

बाबा रामदेव के खिलाफ छत्तीसगढ़ में शिकायत

आपत्तिजनक बयान से भड़की महिला कांग्रेस की नेत्रियां, बोली होनी चाहिए सख्त कार्रवाई

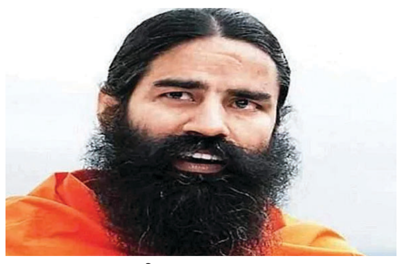

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बाबा रामदेव के खिलाफ छत्तीसगढ़ में महिला कांग्रेस की नेत्रियों ने मोर्चा खोल दिया है। महिलाओं पर दिए गए एक बयान को लेकर बिलासपुर ग्रामीण महिला कांग्रेस की अध्यक्ष सीमा घृतेश, अनिता लव्हात्रे और मंजू त्रिपाठी ने सोमवार को एक सुनवाई के दौरान राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. किरणमयी नायक को एक शिकायती पत्र सौंपा। उन्होंने बाबा रामदेव के खिलाफ शिकायत करते हुए कहा कि योग गुरु ने महिलाओं के लिए आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल किया है। इससे महिलाओं की भावनाओं को ठेस पहुंची है।

महिलाओं के मान-सम्मान को पहुंचा ठेस

राज्य महिला आयोग को दिए गए शिकायती पत्र में कहा गया है कि पिछले दिनों महाराष्ट्र के पुणे में आयोजित योग शिविर के दौरान बाबा रामदेव ने कहा, महिलाएं साड़ी, सूट और सलवार में अच्छी लगती हैं। मेरी तरह कुछ भी न भी पहने तब भी अच्छी लगती हैं। कांग्रेस की महिला नेताओं ने कहा, बाबा रामदेव का यह बयान आपत्तिजनक है। इससे महिलाओं के मान-सम्मान को ठेस पहुंचा है।

अपमानित महसूस कर रही महिलाएं

शिकायतकर्ता महिला नेत्रियों ने कहा कि योग गुरु के इस बयान से महिलाएं अपने आप को अपमानित महसूस कर रही हैं। शिकायतकर्ताओं ने बाबा रामदेव पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. किरणमयी नायक ने कहा, शिकायत का संज्ञान लिया गया है। इस पर विधिवत कार्यवाही की जाएगी। इस मामले को राष्ट्रीय महिला आयोग को भी भेजा जाएगा। डॉ. नायक ने कहा, मुझे लगता है कि राष्ट्रीय स्तर पर महिला आयोग को तुरंत संज्ञान लेकर कार्रवाई किया जाना चाहिए।

संपादकीय

चीन में चिंता

चीन से जो तस्वीरें आ रही हैं, उनसे किसी को भी चिंता का एहसास हो सकता है। दुनिया के ज्यादातर देशों में कोरोना महामारी काबू में आ चुकी है, पर चीन में अब भी यह वायरस लॉकडाउन का कारण बना हुआ है। दरअसल, चीन कोरोना संक्रमण को रोकने के लिए शून्य-कोविड नीति पर चलता आ रहा है। दिसंबर 2019 से ही चीन के लोगों ने लॉकडाउन के लंबे दौर देखे हैं। यह लॉकडाउन कितना कड़ा होता है, इसकी कल्पना भारत जैसे उदार देशों में कम ही लोग कर सकते हैं। वहां घर का दरवाजा खोलने तक की इजाजत लोगों को नहीं मिलती है। खाने-पीने का वही सामान मिलता है, जो सरकार देती है। चीनी लॉकडाउन का मतलब है, जीवन का पूर्णत बाधित हो जाना। चूंकि चीन सरकार ने कड़े लॉकडाउन के दम पर ही अपने लोगों को महामारी के समय बचाया था, इसलिए उसे संक्रमण को रोकने का यही सबसे कारगर तरीका लगता है, लेकिन जाहिर है, लंबे लॉकडाउन से तंग आ चुके लोग अब सड़कों पर उतरने लगे हैं। दरअसल, शून्य-कोविड नीति के खिलाफ चीनियों में व्यापक गुस्से और विरोध की भावना है। बताया जाता है कि सरकार ने लॉकडाउन में कुछ राहत दी है, लेकिन लोग इसे ऊंट के मुंह में जीरा मानते हैं। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की आलोचना भी खूब हो रही है। चीन के राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग के अनुसार, देश में सोमवार को संक्रमण के 39,452 नए मामले दर्ज किए गए, जबकि रविवार को 40,347 नए मामले दर्ज किए गए थे। भारत में कोविड को लेकर नेताओं और संबंधित विभागों की बयानबाजी भले ही खत्म हो गई है, पर चिंतित चीन में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता झाओ लिजियन ने कहा है कि हम मानते हैं, चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के नेतृत्व और चीनी लोगों के समर्थन से कोविड-19 के खिलाफ हमारी लड़ाई सफल होगी। पिछले दिनों पश्चिमी शिनजियांग क्षेत्र में जो घातक आग लगी थी, उसे भी लोग सख्त कोविड उपायों से जोड़कर देख रहे हैं। जो लोग विरोध कर रहे हैं, उन्हें उल्टे इरादों वाली ताकत कहा जा रहा है, इससे भी विरोध और प्रदर्शन का आकार बढ़ा है। ध्यान रहे, चीन एक ऐसा देश है, जहां शासन सोशल मीडिया को पसंद नहीं करता है। सोशल मीडिया से मिलने वाली चुनौती चीनी सत्ताधीशों को हजम नहीं होती। शासन की अनुदारता या अनुशासन के लिए कड़ाई को अब बहुत से लोग बर्दाश्त नहीं कर पा रहे हैं। लोग सामने आकर विरोध कर रहे हैं। चीनी सरकार को आम लोगों की पीड़ा को संवेदना के साथ समझना चाहिए। विरोध प्रदर्शन मुख्य रूप से बीजिंग और शंघाई में हो रहे हैं, जगह-जगह बैरियर लगाए गए हैं, लेकिन तब भी लोग खुलकर सड़कों पर उतर रहे हैं। चीन में ताजा कड़ाई का मामला इसलिए भी सामने आ गया, क्योंकि बीबीसी के संवाददाता के साथ भी मारपीट हुई है। शायद चीनी सैन्य अधिकारियों को पता न था कि वे बीबीसी संवाददाता को परेशान कर रहे हैं, मगर उनकी परेशानी अब बढ़ गई है। वैसे भी, किसी विरोध-प्रदर्शन को कुचलने की कोशिश चीनी प्रशासन को ज्यादा मुफीद लगती है। विरोध की आवाज को कुचलने का पुराना चीनी इतिहास रहा है। ज्यादा चिंता वाली बात यह है कि अगर चीन में अब भी कोरोना संक्रमण तेज है, तो दुनिया को ज्यादा सचेत रहना होगा। क्या कोरोना वायरस का नया संस्करण आया है? पहले भी कोरोना वायरस चीन से ही निकलकर दुनिया में फैला था। अत सबको सावधान रहना होगा।

“ चीन के राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग के अनुसार, देश में सोमवार को संक्रमण के 39,452 नए मामले दर्ज किए गए, जबकि रविवार को 40,347 नए मामले दर्ज किए गए थे। भारत में कोविड को लेकर नेताओं और संबंधित विभागों की बयानबाजी भले ही खत्म हो गई है, पर चिंतित चीन में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता झाओ लिजियन ने कहा है कि हम मानते हैं, चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के नेतृत्व और चीनी लोगों के समर्थन से कोविड-19 के खिलाफहमारी लड़ाई सफल होगी। पिछले दिनों पश्चिमी शिनजियांग क्षेत्र में जो घातक आग लगी थी, उसे भी लोग सख्त कोविड उपायों से जोड़कर देख रहे हैं।

उदारतापूर्ण सिफारिश

भारतीय विधान परिषद् की अल्पसंख्यक सलाहकार समिति ने अपनी अंतिम रिपोर्ट पेश कर दी है और विधान परिषद् उस पर विचार कर रही है। उसकी मुख्य सिफारिशों को बिना किसी बड़े परिवर्तन के स्वीकार कर लिया जायेगा, इसमें कोई सन्देह नहीं। इस रिपोर्ट की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि स्वयं अल्पसंख्यकों के अधिकतर प्रतिनिधियों ने उसकी सिफारिशों से सहमति प्रकट की है। विधान परिषद् में विभिन्न अल्पसंख्यक जातियों के प्रतिनिधियों ने सलाहकार कमेटी के अध्यक्ष सरदार पटेल और कमेटी की रिपोर्ट की सराहना की, उससे यह समझा जा सकता है कि अल्पसंख्यकों के प्रति उसकी सिफारिश काफी उदारतापूर्ण है और उसमें उनके साथ पूरा न्याय किया गया है। अल्पसंख्यकों की समस्या ने इस देश में जितना उग्र रूप धारण किया, शायद ही वैसा और कहीं हुआ होगा। यह समस्या इस देश को अंग्रेजी राज की देन है। उसने अपने आप को इस देश में स्थायी बनाने के लिए इसे तरह-तरह से बढ़ावा दिया। अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा की ओट में वह हमेशा के लिए अपना वर्चस्व कायम रखना चाहता था। कुछ दिनों पहले तक ऐसा मालूम होता था कि यह समस्या कभी हल ही नहीं होगी। किन्तु ज्यों ही विदेशी प्रभुत्व का अन्त हुआ कि सारा वातावरण ही बदल गया है। अब अल्पसंख्यक अपने अधिकारों की रक्षा के लिए तीसरे पक्ष की ओर टकटकी नहीं लगा सकते। यह कहा जा सकता है कि स्वतन्त्र भारत अल्पसंख्यकों की समस्या को सबके लिए समाधानकारक रूप में हल कर लेगा और भविष्य में अल्पसंख्यक देश की सामान्य प्रगति में बाधक होने के बजाय दिल से सहयोग देंगे एवं थोड़े ही काल में जाति और धर्म के आधार पर कायम बहुसंख्यकों और अल्पसंख्यकों का मौजूदा भेद हमेशा के लिए मिट जायेगा। अल्पसंख्यक सलाहकार समिति की सबसे क्रान्तिकारी सिफारिश, जिसे विधान परिषद ने स्वीकार कर लिया है, यह है कि पृथक निर्वाचन पद्धति को खत्म कर दिया जाये और केन्द्रीय और प्रान्तीय धारा सभाओं के चुनाव संयुक्त निर्वाचन पद्धति से हों। यह सभी स्वीकार करते हैं कि देश में साम्प्रदायिक वैमनस्य ने जो विकराल रूप धारण किया और जिसके कारण देश को दो टुकड़ों में बंट जाना पड़ा, उसकी जड़ में यह पृथक निर्वाचन रहा है।

“ इमरान खान ने प्रांतीय विधानसभाओं से अपने विधायकों के इस्तीफे की घोषणा जरूर की, लेकिन इसे भी उनकी बहुत सारी खाली-पीली धमकियों की तरह ही लिया जा रहा है।

पड़ोस में खींचतान का कोई अंत नहीं

विभुति नारायण राय

पाकिस्तान में पिछले एक हफ्ते में जो कुछ घटा, वह प्रत्याशित था। अप्रत्याशित था तो सिर्फ इतना कि सारे रहस्य और तनाव के बीच अंत किसी फुस्स फुलझड़ी-सा हुआ। भारतीय पाठकों को यह अजीब लगेगा कि तीन महीने तक पाकिस्तानी प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया सिर्फएक सेनाध्यक्ष की तैनाती के इर्द-गिर्द घूमता रहा और वह तैनाती थी सेनाध्यक्ष के रूप में किसी लेफ्टिनेंट जनरल की तरक्की। उन्हें यह भी दिलचस्प लगेगा कि इस बीच बहसों के दौरान भारत का जिक्र इस टिप्पणी के साथ आता रहा कि ज्यादातर भारतीय तो अपने वर्तमान सेनाध्यक्ष का नाम तक नहीं जानते और पाकिस्तानी इस नियुक्ति को राष्ट्रीय विमर्श का केंद्र बनाए हुए हैं। हर वह व्यक्ति, जो पाकिस्तानी समाज व राजनीति में दिलचस्पी रखता है, जानता है कि क्यों सेनाध्यक्ष का पद वहां सबसे ताकतवर और गृह, विदेश या रक्षा संबंधी अनेक मामलों में अंतिम फैसला लेने वाला ओहदा होता है।

देश में खास तरह का तनाव तो पिछले आठ महीनों से चल रहा था, जब इमरान खान की सरकार राष्ट्रीय असेंबली में अविश्वास प्रस्ताव के चलते गिर गई थी। एक अपरिपक्व खिलाड़ी की तरह हर बार गलत चाल चलने वाले इमरान ने इस बार जीवन की सबसे बड़ी गलती की और खुलेआम फौज पर हमले करना शुरू कर दिया। यह किसी से छिपा नहीं कि एक राजनेता के रूप में इमरान की छवि को सेना ने ही पिछले दो दशकों में बाकायदा एक प्रोजेक्ट के तहत गढ़ा था। 2018 के आम चुनावों में उनकी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के लिए दूसरे दलों से जीत सकने वाले उम्मीदवारों को तोड़ने या निर्वाचन बूथों के अधिकारियों को प्रभावित करने से लेकर धन व बाहुबल की व्यवस्था तक की जिम्मेदारी सेना ने उठाई थी। इसके बावजूद उन्हें स्पष्ट बहुमत न मिला, तो सेना ने अपने प्रभाव वाले कई क्षेत्रीय दलों से पीटीआई का गठबंधन करा इमरान की सरकार बनवा दी। पर जल्द ही सेना को महसूस होने लगा कि इमरान किसी गरम आलू की तरह हैं, जिन्हें देर तक मुंह में नहीं रखा जा सकता और उगलने में भी कम रुसवाई नहीं है।

तीन साल में जब देश की अर्थव्यवस्था पूरी तरह से चौपट हो गई और कूटनीतिक महाज पर पाकिस्तान एकदम अलग-थलग पड़ गया, तब सेना को होश आया कि सारी असफलताओं का ठीकरा तो उसी पर फूट रहा था। यह एहसास होने पर कि उन्होंने सदन के बहुमत का विश्वास खो दिया है, इमरान ने बेशर्मी से फौज से जरूरी संख्या बल जुटाने की मांग शुरू कर दी और जब सेना ने खुद को अराजनीतिक और न्यूट्रल कहा, तो इमरान और उनकी सोशल मीडिया सेल ने फौज को जानवर, मीर जाफर, मीर बाकी और न जाने क्या-क्या कहा।

पहले तो फौज हक्का-बक्का रह गई, पर फिर जमीन में एड़ियां गड़ाकर उसने खुद पर लगे आरोपों का जवाब देना शुरू कर दिया। इतिहास में पहली बार खुफिया एजेंसी आईएसआई के प्रमुख को प्रेस कॉन्फ्रेंस करनी पड़ी, जिसमें उन्होंने सार्वजनिक रूप से इमरान खान को झूठा घोषित कर दिया। उनके मुताबिक, दिन में सेना को गरियाने के बाद रात के अंधेरे में इमरान या उनके दूत सेनाध्यक्ष जनरल बाजवा से मुलाकात करते हैं और अनुरोध करते हैं कि फौज सरकार पर दबाव बनाए और जल्द चुनावों की तारीखें तय कराए। इसी बीच जनरल बाजवा के रिटायरमेंट की तारीख 29 नवंबर करीब आई, तो उन्होंने यह भी मांग की कि नए सेनाध्यक्ष की नियुक्ति उनकी सहमति से की जाए, अन्यथा जनरल बाजवा को ही चुनावों तक सेवा विस्तार देकर रखा जाए और नया प्रधानमंत्री अगला सेनाध्यक्ष नियुक्त करे। अपनी कोई भी इच्छा पूरी न होते देख इमरान ने आखिरी हथियार के रूप में 'लॉन्ग मार्च' की घोषणा कर दी, जिसके तहत लाखों समर्थकों के साथ उन्हें इस्लामाबाद घेरकर तब तक बैठना था, जब तक कि सरकार अगले चुनाव की तारीख न दे दे। पर वह भूल गए कि पाकिस्तान में कोई 'लॉन्ग मार्च' फौज के आशीर्वाद के बिना सफल नहीं हो सकता।

इमरान के 'लॉन्ग मार्च' के शुरू होते ही ऐसी प्रत्याशित-अप्रत्याशित घटनाएं घटीं, जिनका जिक्र ऊपर किया गया है। सेना का समर्थन खत्म होने के बाद इमरान की गतिविधियां पंजाब व खैबर पख्तूनख्वा तक सीमित रह गईं। उनका 'लॉन्ग मार्च' भी लाहौर से रावलपिंडी के बीच ही निकल सका और बिना कोई लक्ष्य हासिल किए विसर्जित हो गया। इस बीच संयुक्त मोर्चे की सरकार में अंतिम फैसले लेने वाले, लंदन में निर्वासित बैठे नवाज शरीफ ने स्पष्ट कर दिया था कि अगले सेनाध्यक्ष की नियुक्ति उनकी मर्जी से ही होगी। सारी बंदरघुड़कियों के बावजूद उन्होंने लगभग प्रत्याशित ढंग से जनरल आसिम मुनीर को नया सेनाध्यक्ष नियुक्त कर दिया।

जनरल आसिम इमरान के प्रधानमंत्रित्व काल में डीजी, आईएसआई थे और उन्होंने प्रधानमंत्री को उनके पारिवारिक सदस्यों के भ्रष्टाचार की जानकारी देने का दुस्साहस किया था, नतीजतन उन्हें हटा दिया गया। इमरान की नापसंदगी जगजाहिर थी, इसलिए आश्चर्य नहीं कि जनरल आसिम मुनीर को नया सेनाध्यक्ष बना दिया गया है। अप्रत्याशित तो वह पटाक्षेप है, जो सनसनी से भरपूर इस पूरे घटनाक्रम के अंत में हुआ।

इमरान खान, उनकी पार्टी के सदस्य और देश के राष्ट्रपति आरिफ अल्वी या दूसरे जनरल शाहिद शमशाद मिर्जा को उत्तराधिकार सौंपने की पैरवी करने वाले निवर्तमान सेनाध्यक्ष जनरल बाजवा समेत सभी ने बिना किसी ना-नुकर के इस फैसले को स्वीकार कर लिया। इमरान खान ने रावलपिंडी में 'लॉन्ग मार्च' की तारीख भी उसी दिन रखी थी, जब नए नाम का एलान होना था, पर उसमें बजाय किसी आंदोलन की घोषणा के मार्च को ही खत्म करने का फैसला सुना दिया गया। इमरान ने प्रांतीय विधानसभाओं से अपने विधायकों के इस्तीफे की घोषणा जरूर की, पर इसे भी उनकी अन्य खाली-पीली धमकियों की तरह लिया जा रहा है।

इमरान को मजाक में आजादी के बाद पाकिस्तानी सेना के सामने भारत से भी बड़ी चुनौती के रूप में पेश किया जा रहा है। कई अन्य घटनाओं की तरह पहली बार किसी सेनाध्यक्ष ने अपने अंतिम सार्वजनिक भाषण में स्वीकार किया कि फौज पूर्व में देश की आंतरिक राजनीति में भाग लेती रही है और वायदा किया कि भविष्य में ऐसा नहीं करेगी। देखना है कि इस वायदे पर उनके उत्तराधिकारी कब तक टिकते हैं?

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

आसान नहीं उच्च शिक्षा के श्रेष्ठ संस्थान खड़े करना

अनुराग बेहर

उच्च शिक्षा के श्रेष्ठ संस्थानों की परिभाषा आखिर क्या होनी चाहिए? मेरे विचार से ऐसे संस्थानों से स्नातक करने वाले छात्रों को न सिर्फ अपने विषय की अच्छी जानकारी होनी चाहिए, बल्कि वास्तविक दुनिया में उसके इस्तेमाल की कला भी उनके पास होनी चाहिए। इसी तरह, संस्थानों के पास ऐसी सांस्थानिक ताकत होनी चाहिए, जिससे उनकी शैक्षणिक सोच बखूबी झलकती हो और उनको लागू करने के लिए सांगठनिक ढांचे व प्रक्रिया का वे पालन करते हों। भारत में 60 हजार से भी अधिक उच्च शिक्षण संस्थान हैं, जिनमें से बमुश्किल पांच फीसदी बेहतर गुणवत्ता वाले हैं और अन्य पांच प्रतिशत इसके करीब। हालांकि, शेष 90 फीसदी संस्थानों में भी ऐसे शिक्षकों व छात्र-छात्राओं की संख्या कम नहीं होगी, जो उच्च गुणवत्ता वाले संस्थानों की तरह योग्य होंगे, लेकिन उनके संस्थान उपरोक्त कसौटी पर खरे नहीं उतर सकेंगे।

इस संदर्भ में तमाम बातों के अलावा, पहली जरूरत यह है कि उच्च शिक्षण संस्थान के उद्देश्य को लेकर संस्थापक स्पष्ट रहें। अगर ऐसा न होगा, तो संस्थान अपनी राह भटक सकता है। उनकी स्थापना का मकसद मूलत तीन मामलों में स्पष्ट दिखना चाहिए। पहला, संस्थापकों में उन कार्यक्रमों को लेकर स्पष्ट समझ हो, जो वह संस्थान पढ़ाएगा। दूसरा, आर्थिक रूप से वंचितों को शामिल करने की नीति स्पष्ट होनी चाहिए। इसे भी संस्थान की स्थापना के मकसद से जोड़ना चाहिए। और तीसरा, संस्थापकों को संस्थान शुरू करने के लिए पर्याप्त पूंजी की व्यवस्था करनी चाहिए व एक न्यायोचित वित्तीय मॉडल अपनाना चाहिए, ताकि वे संस्थान की अर्थव्यवस्था को स्थिर रख सकें। हैरानी की बात है कि कई संस्थापक इसे नहीं समझ पाते और संस्थान पैसे की तंगी से जूझता रहता है।

बहुत से संस्थापक इस बात पर ध्यान नहीं देते कि उनके पाठ्यक्रम और चयन का विकल्प किस तरह से वित्तीय मॉडल से जुड़ा हुआ है? इसीलिए, वे इस बात से अनजान रहते हैं कि उच्च शिक्षण संस्थानों की आर्थिक सेहत महज छात्रों से मिलने वाली फीस से नहीं सुधर सकती। यहां तक कि बेहतर छात्रों के लंबे ट्रैक रिकॉर्ड वाले संस्थान भी, जिनकी अकादमिक प्रतिष्ठा दुनिया भर में होती है, अपने लिए एक वित्तीय कोष रखते हैं, जिसमें आने वाले पैसों से संस्थान चलाने में मदद मिलती है। दुनिया का कोई भी उच्च शिक्षण संस्थान अपने खर्च की महज 10-50 फीसदी राशि ही छात्रों की फीस से जुटा पाता है। शेष रकम के लिए उसे सार्वजनिक वित्त-पोषण की जरूरत पड़ती है। असल में, पाठ्यक्रम की फीस इस पर निर्भर होती है कि दूसरे संस्थान वही कोर्स कितनी रकम लेकर पढ़ा रहे हैं, और इससे भी अधिक इस बात पर कि पाठ्यक्रम खत्म होने के बाद छात्रों को किस तरह का रोजगार मिलेगा? भारत में भी शीर्ष स्तर के शैक्षणिक संस्थान अपने खर्च की महज 20 फीसदी राशि बतौर फीस जुटा पाते हैं। इसीलिए, वित्तीय स्थिरता, पाठ्यक्रमों का विकल्प, रणनीति और समावेशन नीति को बारीकी से तैयार किया जाना चाहिए।

बेशक हम काफी गहराई में नहीं जा सकते, लेकिन यह ध्यान रखना चाहिए कि किसी भी उच्च शिक्षण संस्थान की लागत बाहरी कारकों से बहुत अधिक तय होती है। इसीलिए, शिक्षक-छात्र अनुपात का आधार शैक्षणिक दृष्टि से मजबूत होना चाहिए। किसी भी श्रेष्ठ शिक्षण संस्थान को अपने शिक्षकों को कुछ समय शोध के लिए भी देना चाहिए, ताकि वे अपने विषय में अपडेट रहें। संक्षेप में कहें, तो संस्थापकों को यह तय करना होगा कि उसका संस्थान कौन से कार्यक्रम चलाएगा और कितना समावेशी होगा? इसी आधार पर उसे एक कोष बनाना चाहिए, जो संस्थान की अर्थव्यवस्था बनाए रख सकेगा। इसमें 10 से 15 साल का वक्त लग सकता है। तब तक संस्थापकों का काम खत्म नहीं मानना चाहिए।

यहां संस्थान की स्थापना से जुड़ा चौथा मामला नेतृत्व (कुलपति या निदेशक) का है। जब तक नेतृत्व संस्थापकों के उद्देश्य को नहीं समझ सकेगा, तब तक वह श्रेष्ठ संस्थान विकसित नहीं कर सकेगा। आखिरकार चुनौतियों से पार पाने में सही नेतृत्व ही मददगार होता है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

गुरु कुम्हार शिष्य कुंभ

यदि सीढ़ियां न हों, तो कोई मंदिर तक कैसे पहुंचेगा? इसलिए हमेशा याद रखें कि जैसे मंदिर के शिल्पकार के लिए हर पत्थर उत्कृष्ट व अनमोल होता है, वैसे ही गुरु के लिए हरेक शिष्य होता है।

एक बार एक गुरु मध्य भारत में अपने एक शिष्य के साथ कहीं की यात्रा कर रहे थे। एक जगह पर कुछ अशिष्ट, असभ्य बच्चे शिष्य के ऊपर पत्थर फेंकने लगे। वे उसे चिढ़ा भी रहे थे और गालियां भी दिए जा रहे थे। बच्चे गुरु-शिष्य के पीछे-पीछे चलते रहे। आखिरकार वे सब एक नदी के तट पर पहुंचे। नदी पार करने के लिए गुरु और शिष्य एक नाव में बैठे, तो बच्चे भी दूसरी नाव में बैठ गए, पर बीच नदी में पहुंचते ही उनकी नाव डूबने लगी।

गुरु ने अपने शिष्य के गाल पर एक तमाचा लगाया। शिष्य चकित रह गया, क्योंकि उन शरारती बच्चों के प्रतिउत्तर में उसने एक शब्द भी नहीं कहा था। इतना अच्छा शिष्य होने पर भी गुरु ने उसे चांटा मारा! गुरु ने कहा, 'यह सब तुम्हारा दोष है। उनकी नाव डूबने के लिए तुम जिम्मेदार हो। तुमने उनकी गालियों का कोई उत्तर नहीं दिया। प्रकृति ने अब उन्हें इतना कठोर दण्ड दिया है, क्योंकि तुममें इतनी दया नहीं थी कि तुम उनके बुरे शब्दों को रोको।

गुरु के तमाचे ने इस घटना के बुरे कर्मों से बच्चों के भावी जीवन को प्रभावित होने से बचा लिया। साथ ही बच्चों की नाव को डूबते देखकर शिष्य के मन में उभरती प्रसन्नता को भी दूर कर दिया। इस प्रकार, शिष्य को भी इस घटना के बुरे कर्म से बचा लिया। याद रखिए, ज्ञानी का क्रोध भी आशीर्वाद होता है।

सद्गुरु सबका ध्यान रखते हैं। दरअसल, मंदिर के निर्माण में एक शिल्पकार सभी प्रकार के पत्थरों का उपयोग करता है। कुछ पत्थरों से वह मंदिर की नींव तैयार करता है, ये पत्थर दुनिया को कभी दिखाई नहीं देते। कुछ दूसरे पत्थरों से, जिन्हें तराशा जा सकता है, वह मंदिर की दीवारें और खंभे बनाता है। कुछ और पत्थरों से वह सीढ़ियां बनाता है और मंदिर का गुंबज। केवल सर्वश्रेष्ठ पत्थर, जो नक्काशी के लिए उत्तम होते हैं, देव मूर्ति बनकर मंदिर के गर्भगृह में स्थापित होते हैं। जब ये पत्थर मंदिर का अभिन्न अंग बन जाते हैं, तो वे पत्थर नहीं रह जाते, वे बन जाते हैं एक शिल्पकृति, एक कलाकृति और साकार देव।

इसी प्रकार, गुरु के पास भी बहुत सारे लोग, बहुत सारे शिष्य आते हैं। जिस मात्रा तक वे गुरु के प्रति समर्पित होते हैं, उसी के अनुसार वे गुरु द्वारा नियुक्त किए जाते हैं। मगर सभी आवश्यक हैं। यदि सीढ़ियां ही न हों, तो कोई मंदिर तक कैसे पहुंचेगा? यदि नींव न हो, तो मंदिर वहां होगा कैसे? इसी तरह, खंभों के बिना गुंबज कहां? इसलिए, एक बात हमेशा याद रखें कि जैसे मंदिर के शिल्पकार के लिए प्रत्येक पत्थर उत्कृष्ट एवं अनमोल होता है, वैसे ही गुरु के लिए हरेक शिष्य प्रिय होता है।

श्री श्री रविशंकर

बात होती है दिल्ली की!

यह बात शायद ही कभी चर्चा में आती है कि देश के अनेक दूसरे इलाकों के लोग दिल्ली से भी अधिक प्रदूषण झेलने को मजबूर हैं। लेकिन वहां के बाशिंदों की सेहत की चिंता शायद किसी को नहीं होती। दिल्ली में हर साल दिवाली के आसपास प्रदूषण का धुआं आसमान में छा जाता है। तब मीडिया के लेकर सियासी हलकों तक में इसकी जोरदार चर्चा होती है। राजनीतिक दलों के बीच तू तू-मैं मैं होती है और तरह-तरह की चिंताएं जताई जाती हैं। लेकिन यह बात शायद ही कभी चर्चा में आती है कि देश के अनेक दूसरे इलाके दिल्ली से भी अधिक प्रदूषण झेलने को मजबूर बने हुए हैँ। वहां के बाशिंदों की सेहत की चिंता शायद किसी को नहीं होती। जबकि इस खबर पर गौर करें। 20 नवंबर को केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) 423 के साथ बिहार का मोतिहारी भारत का सर्वाधिक प्रदूषित शहर रहा। दूसरे नंबर पर 411 एक्यूआई के साथ दरभंगा तथा तीसरे नंबर पर 401 के साथ सीवान रहा। बेगूसराय, कटिहार, बेतिया, पूर्णिया, अररिया, मुजफ्फरपुर, बक्सर, समस्तीपुर और पटना की हवा भी काफी खराब चल रही है। मगर क्या बिहार में प्रदूषण और वायु की खराब गुणवत्ता पर पूरे देश में वैसी चर्चा हुई, जैसी अभी कुछ दिन पहले दिल्ली के बारे में हो रही थी। शिकागो विश्वविद्यालय की एनर्जी पॉलिसी इंस्टीट्यूट की ओर से किए गए एक अध्ययन के अनुसार बिहार, उत्तर प्रदेश समेत सात राज्यों की लगभग पूरी आबादी पीएम 2.5 की जद में हैं। अधिकारियों का कहना है कि उत्तर प्रदेश के खेतों में जलाई जा रही पराली का धुआं भी बिहार में हवा को खराब कर रहा है।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान
विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9827806026, 7869620239

Sargam Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair

DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी

JITU'Z CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

महक सेनीटेशन

सी पी फिटिंग व सेनेटरी की भव्य रेंज किफायती दरों में
एक बार सेवा का मौका अवश्य दें
अनिल गुप्ता मो. 9300280144
शाप नं. 102, 103, किशोर प्लाजा, ग्रीन चौक दुर्ग (छ.ग.)
अनिल गुप्ता, मो. 9300280144

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

टीबी रोग से ग्रस्त महिला के लिए मितानिन आशा ने की राहत की पहल

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दुर्ग जिले के टीबी चैंपियंस तन और मन से ही नहीं बल्कि धन के माध्यम से भी टीबी ग्रस्त की सेवा करने में पीछे नहीं हैं। ऐसा ही एक प्रेरक उदाहरण धमधा विकासखंड के गोता गांव से सामने आया है, जिसमें टीबी चैंपियंस की सार्थक पहल से टीबी रोग से ग्रसित एक महिला को राहत मिलने लगी है।

एक मितानिन के द्वारा रोगग्रस्त महिला के लिए न सिर्फ 6 महीने तक एक समय के भोजन की व्यवस्था की गई है, बल्कि प्रोटीनयुक्त सामग्री फूटा चना, फल्ली, सोयाबीन, गुड़, सरसों तेल और बिस्कुट भी प्रदान किया गया है। टीबी (क्षय) रोग पर नियंत्रण तथा इससे बचाव के लिए जिले में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। टीबी रोग से बचाव संबंधी संदेशों का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। साथ ही आंगनवाड़ी कार्यकर्ता व मितानिन के माध्यम से टीबी चैंपियन उन स्थानों तक भी पहुंच रहे हैं, जहां पहले टीबी के मरीज चिन्हित किए गए हैं। स्वास्थ्य विभाग के द्वारा आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, मितानिन व विशेषकर टीबी चैंपियन के माध्यम से शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में कई जगहों पर टीबी रोग के लक्षण आने की स्थिति में बलगम की जांच कराने की सलाह दी जा रही है। इसी कड़ी में ग्राम गोता निवासी टीबी रोग से ग्रसित एक महिला की सेवा का मामला सामने आया है। महिला की आर्थिक स्थिति अत्यंत दयनीय है और वह रोजी-मजदूरी कर अपना परिवार चलाती है। इसकी जानकारी होने पर टीबी चैंपियन लालेंद्र साहू, राजेश कुमार और खुशबू साहू की टीम ने मदद की पहल की है। इस बारे में लालेंद्र साहू ने बताया: टीबी अब लाइलाज बीमारी नहीं है, बल्कि समय पर रोग के लक्षणों की पहचान कर इलाज शुरू कराने से टीबी ग्रस्त की जिंदगी बचाई जा सकती है। इसीलिए क्षेत्र में टीबी ग्रस्त लोगों की लगातार काउंसिलिंग की जा रही है। स्वास्थ्य विभाग के द्वारा टीबी रोग से ग्रसित मरीज का उपचार सभी शासकीय चिकित्सालयों व स्वास्थ्य संस्थाओं में निशुल्क किया जाता है। आगे उन्होंने बताया: टीबी रोग पर नियंत्रण के क्रम में टीबी उन्मूलन गुणवत्ता आंकलन के दौरान टीबी रोग से ग्रसित 43 वर्षीय सहोदरी बाई (परिवर्तित नाम) से हमारी मुलाकात हुई। यहां चर्चा के दौरान ही सहोदरी की दयनीय आर्थिक स्थिति का पता लगा। इस पर सहोदरी की मदद के लिए गांव के सरपंच और मितानिन आशा राजपूत से चर्चा की गई जिस पर आशा राजपूत ने मदद के लिए हामी भी भर दी। इसी बीच आशा ने सहोदरी के लिए के लिए न सिर्फ 6 महीने तक एक समय के भोजन की व्यवस्था की है, बल्कि प्रोटीनयुक्त सामग्री फूटा चना, फल्ली, सोयाबीन, गुड़, सरसों का तेल और बिस्कुट भी प्रदान किया है।

सेवा ही मानवता: आशा

सेवाभावी मितानिन आशा राजपूत का मानना है, सेवा ही सच्ची मानवता है। सहोदरा बीमार है और उसकी आर्थिक स्थिति भी अच्छी नहीं है। यह पता लगने पर मेरे द्वारा उसकी सहायता करने का छोटा सा प्रयास किया गया है जो सभी को करना चाहिए।

सहकारिता मंत्री डॉ.टेकाम ने धान खरीदी केंद्र जयनगर का निरीक्षण किया

धान बिक्री के लिए आए किसानों को फूल माला पहनाकर किया सम्मानित

उपस्थित किसानों से चर्चा की, किसानों ने धान खरीदी केंद्र में की गई व्यवस्थाओं पर संतुष्टि जाहिर की

श्रीकंचनपथ न्यूज

सूरजपुर। स्कूल शिक्षा एवं सहकारिता मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम ने धान खरीदी केंद्र जयनगर का निरीक्षण किया गया। मंत्री डॉ. टेकाम ने धान बिक्री के लिए आए हुए किसानों का फूल माला से सम्मान किया तथा धान खरीदी केंद्र में व्यवस्था के संबंध में उपस्थित किसानों से चर्चा की, जिसमें किसानो ने धान खरीदी केंद्र में की गई व्यवस्थाओं पर संतुष्टि जाहिर की।

धान खरीदी केंद्र में जिला प्रशासन द्वारा किसानों की सुविधा के लिए जिला स्तरीय नोडल,सहायक नोडल अधिकारियों की नियुक्ति की गई है। किसानों की सुविधा के लिए जिला स्तर पर कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है।सभी केंद्रों में शासन द्वारा निर्धारित सभी आवश्यक व्यवस्थाएं जैसे किसानों के बैठने के लिए स्थान, पीने का पानी इत्यादि की व्यवस्था की गई है,जिसके संबंध में मंत्री ने किसानो से चर्चा की तथा धान बिक्री की राशि के भुगतान प्राप्त होने के संबंध में भी किसानो से प्रश्न किया। जिस पर किसानो के द्वारा भुगतान व्यवस्था तथा खरीदी केंद्रों में की गई व्यवस्था पर खुशी जाहिर की गई।

गौरतलब है कि जिला सूरजपुर में 28 नवंबर की स्थिति में कुल पंजीकृत 57328 किसानों में से 2225 किसानों से कुल 89164 क्विंटल की धान खरीदी की जा चुकी है, जिसमे से 57 प्रतिशत धान का उठाव भी खरीदी केंद्रों से किया जा चुका है।

खास खबर

भूमिहीन पहाड़ी कोरवाओं को मिल रहा है राजीव गांधी ग्रामीण भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना का लाभ

रायपुर। दूरस्थ पहाड़ी अंचलों में निवास करने वाली विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवा तक विकास की रोशनी पहुंचनी लगी है। छत्तीसगढ़ शासन की विशेष प्रयासों से उन्हें शासकीय योजनाओं का लाभ भी मिलने लगा है। जशपुर जिला के बगीचा विकासखंड के ग्राम कुरूमढोड़ा में निवासरत विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवा हितग्राही मसरी और महंनाई ग्राम पंचायत गासेबध में निवासरत विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवा हितग्राही रूपन राम को राजीव गांधी ग्रामीण भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना के तहत उन्हें दो किस्तों में दो-दो हजार रूपए की राशि प्राप्त हुई है। कुल दोनों हितग्राहियों के खाते में अब तक 4-4 हजार रुपए आ चुके हैं। जशपुर कलेक्टर डॉ. रवि मित्तल के द्वारा दोनों हितग्राहियों से पूछे जाने पर उक्त जानकारी देते हुए पहाड़ी कोरवा हितग्राही मसरी ने बताया कि उन्हें उचित मूल्य दुकान के माध्यम से प्रतिमाह राशन भी मिलता है। बैंक में भी उनका खाता खोला गया है जिससे योजना के तहत् राशि उनके खाते में सीधे जमा हो जाता है। उनके पिता 63 वर्षीय श्री लुबरी को वृद्धा पेंशन का भी लाभ मिल रहा है। लाभान्वित हितग्राही पहाड़ी कोरवा श्री रूपन राम ने बताया कि मनरेगा के तहत उन्हें रोजगार भी उपलब्ध कराया गया है और उचित मूल्य दुकान से उन्हें प्रतिमाह राशन भी मिल रहा है। उल्लेखनीय है कि प्रदेश सरकार द्वारा राजीव गांधी ग्रामीण भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना के तहत् एक वर्ष में एक हितग्राही को 7 हजार रूपए की आर्थिक सहायता राशि दी जाती है। जशपुर जिले में वित्तीय वर्ष 2022-23 में अब तक 1785 भूमिहीन श्रमिकों को 39 हजार 28 दिन मानव दिवस का रोजगार उपलब्ध कराया गया है। जशपुर जिला प्रशासन द्वारा ऐसे परिवारों को मनरेगा के माध्यम से उनके गांव में ही रोजगार उपलब्ध कराया जा रहा है। ताकि वे आर्थिक रूप से सक्षम बन सकें।

वजन त्यौहार 2022 के आंकड़े जारी: एक वर्ष में कुपोषण की दर में 2.1 प्रतिशत की आई कमी

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की पहल पर प्रदेश में कुपोषण मुक्ति के लिए चलाए जा रहे अभियान के लगातार सकारात्मक परिणाम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर । महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा वजन त्यौहार 2022 के आंकड़े जारी कर दिए गए हैं। इसके अनुसार प्रदेश में पिछले एक वर्ष में कुपोषण के दर में 2.1 प्रतिशत की कमी आई है। वजन त्यौहार के आंकड़े देखें तो वर्ष 2019 में छत्तीसगढ़ में बच्चों में कुपोषण 23.37 प्रतिशत था, जो वर्ष 2021 में घटकर 19.86 प्रतिशत रह गया और 2022 में घटकर 17.76 प्रतिशत पर आ गया है। इस प्रकार पिछले तीन सालों में कुपोषण की दर में 5.61 प्रतिशत की कमी दिखाई दी है।

गौरतलब है कि 02 अक्टूबर 2019 से प्रदेश में कुपोषण मुक्ति के लिए मुख्यमंत्री सुपोषण अभियान शुरू किया गया है। इससे प्रदेश के लगभग 02 लाख 11 हजार बच्चे कुपोषण के चक्र से बाहर आ गए हैं। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 के 2020-21 में जारी रिपोर्ट के आंकड़े देखे जाएं, तो प्रदेश में 5 वर्ष तक बच्चों के वजन के आधार पर कुपोषण की दर 6.4 प्रतिशत कम होकर 31.3 प्रतिशत हो गई है। यह दर कुपोषण की राष्ट्रीय दर 32.1 प्रतिशत से भी कम है।

उल्लेखनीय है कि राज्य में बच्चों में कुपोषण दर के आंकलन हेतु हर साल वजन त्यौहार का आयोजन किया जाता है। वजन त्यौहार के दौरान प्रदेश के आंगनबाड़ियों में अभियान चलाकर बच्चों का वजन, ऊंचाई मापकर उनकी उम्र के आधार पर कुपोषण का आंकलन किया जाता है। इस दौरान बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण भी किया जाता है। संग्रहित आंकड़ों की ऑनलाइन सॉफ्टवेयर में एंट्री कर पारदर्शी प्रक्रिया अपनायी जाती है। इस वर्ष प्रदेश में अगस्त माह में वजन त्यौहार का आयोजन किया गया था। इस दौरान प्रदेश के 33 जिलों के 23 लाख 79 हजार 29 बच्चों का वजन लिया गया। इनमें 19 लाख 56 हजार 616 बच्चे सामान्य पाए गए, जबकि 04 लाख 22 हजार 413 बच्चों में कुपोषण की स्थिति देखी गई। इनमें 86 हजार 751 बच्चे गंभीर कुपोषण और 03 लाख 35 हजार 662 बच्चे मध्यम कुपोषित मिले। इसी प्रकार बच्चों की ऊंचाई के आधार पर बौने बच्चों का भी आंकलन किया गया है। इन आंकड़ों को जिलेवार, परियोजनावार, पंचायत और आंगनबाड़ीवार पृथक-पृथक संकलित किया गया है, जिससे आंकड़ों का विश्लेषण कर उचित कार्ययोजना के साथ सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ा जा सके। इन परिणामों को सभी कलेक्टरों को भी भेजा गया है।

मुख्यमंत्री सुपोषण अभियान से मिले सकारात्मक परिणाम

उल्लेखनीय है कि श्री बघेल की पहल पर मुख्यमंत्री सुपोषण योजना के माध्यम से कुपोषण मुक्ति के लिए प्रदेशव्यापी अभियान चलाया जा रहा है। महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य और सुपोषण को प्राथमिकता क्रम में रखते हुए इसके लिए राज्य में डीएमएफ, सीएसआर और अन्य मदों की राशि का उपयोग किये जाने की अनुमति मुख्यमंत्री श्री बघेल ने दी है। जनसहयोग भी लिया गया है। योजना के तहत कुपोषित महिलाओं, गर्भवती और शिशुवती माताओं के साथ बच्चों को गरम भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। राशन में आयरन और विटामिन युक्त फोर्टीफाइड चावल और गुड़ देकर लोगों के दैनिक आहार में विटामिन्स और मिनरल्स की कमी को दूर करने का प्रयास किया गया है।

इसके साथ ही गुणवत्तापूर्ण पौष्टिक रेडी टू ईट और स्थानीय उपलब्धता के आधार पर पौष्टिक आहार देने की भी व्यवस्था की गई है। महिलाओं और बच्चों को फल, सब्जियों सहित सोया और मूंगफली की चिक्की, पौष्टिक लड्डू, अण्डा सहित मिलेट्स के बिस्कुट और स्वादिष्ट पौष्टिक आहार के रूप में दिया जा जा रहा है। इससे बच्चों में खाने के प्रति रूचि जागने से कुपोषण की स्थिति में सुधार आया है। प्रदेश में कुपोषण मुक्ति के लिए विभिन्न विभागों के साथ योजनाओं को एकीकृत कर समन्वित प्रयास किये जा रहे हैं। इससे तेजी से महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य के साथ पोषण स्तर में सुधार देखा जा रहा है।

जलजीवन मिशन के कार्यों को तेजी से पूरा कराने के निर्देश

कलेक्टर ने समूह जल प्रदाय योजनाओं की प्रगति का मुआयना किया

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर कलेक्टर पी.एस. ध्रुव ने रविवार 27 नवम्बर को जिले के विभिन्न गांवों का दौरा कर जल जीवन मिशन अंतर्गत संचालित कार्यों एवं समूह जल प्रदाय योजनाओं की प्रगति का मुआयना किया। कलेक्टर ने पीएचई के अधिकारियों को सभी कार्यों की गुणवत्ता के साथ तेजी से पूरा कराए जाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने पेयजल से संबंधित कार्यों की निरंतर मॉनिटरिंग भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने अपने भ्रमण के दौरान घुटरा समूह जल प्रदाय योजना के ग्राम रोकड़ा में संचालित रेट्रोफिटिंग कार्य का अवलोकन किया। यहां नल जल प्रदाय योजना के तहत 1 करोड़ 35 लाख 45 हजार रूपए की लागत से उच्च स्तरीय जल टंकी एवं पाईप लाईन विस्तार कार्य कराया जा रहा है। कलेक्टर ने निर्माण कार्य में लगे श्रमिकों की मजदूरी भुगतान की जानकारी ली। उच्च स्तरीय जल टंकी के निर्माण एवं पेयजल पाईप लाईन विस्तार के कार्यों में दक्ष मिस्त्रियों एवं श्रमिकों के साथ स्थानीय लोगों को भी नियोजित कर उनको प्रशिक्षित करने की बात कही।

कलेक्टर श्री ध्रुव ने इस मौके पर ग्रामीणों से समर्थन मूल्य पर धान विक्रय के बारे में भी बातचीत की और कहा कि किसान बिचौलियों और व्यापारियों को धान बेचने के बजाय उपार्जन केन्द्रों में जाकर खुद अपना धान बेचे, इससे उन्हें उचित मूल्य मिलेगा।

कलेक्टर ने इसके पश्चात कछौड़ ग्राम पंचायत भवन के निकट 23.29 करोड़ रूपए की लागत से निर्माणाधीन घुटरा समूह जल प्रदाय योजना के अंतर्गत जल शुद्धिकरण संयंत्र स्थापना के लिए चिन्हांकित शासकीय भूमि का अवलोकन किया। उन्होंने पीएचई के अधिकारियों को भूमि आबंटन हेतु प्रक्रिया को शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने इसके पश्चात 16.42 करोड़ रूपए की लागत वाली खरलाधार समूह जल प्रदाय योजना के तहत निर्मित किए जाने वाले इंटकवेल स्थल का भी अवलोकन किया।

पी गया चूहा, सारी व्हिस्की ...

श्रीकंचनपथ

पी गया चूहा- सारी व्हिस्की ..... कड़क के बोली, कहां है बिल्ली। दुम दबाके बिल्ली भागी, चूहे की फूटी किस्मत जागी। खेल रिस्की था, व्हिस्की ने किया बेड़ा पार. फिल्म शराबी का यह गीत तो आपको याद ही होगा. शराब केवल नशा करने के लिए नहीं पी जाती, कभी-कभी यह हौसला देने का भी काम करती है. भिलाई में एक श्रमिक नेता हुए हैं. नगर प्रशासन भवन में हल्ला बोलने के लिए वो पेग लगाकर जाते थे. जैसे ही इसकी खबर लगती, अधिकारी थर-थर कांपने लगते. चुटकियों में काम हो जाता. बॉलीवुड में तो इसकी खास जरूरत पड़ती रही है. दिन भर में तीन अलग-अलग हीरो/हिरोइनों के साथ कूट-कूट कर प्यार करने के लिए मूड बनाना हो तो शराब बहुत काम आती है. यह और बात है कि कुछ लोग इसमें डूब कर बर्बाद हो जाते हैं तो कुछ लोग तैर कर किनारे भी लग जाते हैं. अपराध जगत में भी इसकी अच्छी खासी डिमांड है. कहा जाता है कि किसी की पिटाई करनी हो तो चार यार इकट्ठा करो, सबको फटे तक पिलाओ और फिर खुली गाड़ी में बैठकर निकल पड़ो. वैसे शराब दोस्ती को भी हवा देती है. दो पेग लगाने के बाद लोग एक दूसरे के भाई बन जाते हैं. कोई कहता है आज पैसा भाई देगा, तो कोई कहता है ङ्क आज गाड़ी भाई चलाएगा. वैसे शराब घर परिवार को बर्बाद करने, लिवर खराब करने के लिए ही ज्यादा मशहूर है. यही शराब अब छत्तीसगढ़ में सियासी माहौल को गर्म करने का काम कर रही है. पारा तेजी से नीचे आ रहा है और शराब का मुद्दा सिर चढ़ कर बोल रहा है. विपक्षी भाजपा का महिला विंग इसमें खासा सक्रिय है. ये महिलाएं पेग लगाने का वीडियो बना रही हैं. कोई बोतल तो कोई चखना लेकर पहुंच रहा है. महिलाओं का इरादा कांग्रेस के नेताओं-विधायकों को बोतल की माला पहनाने का भी है. मनेन्द्रगढ़ में जब महिलाएं सार्वजनिक रूप से पालथी मारकर पेग बनाने बैठीं तो हुजूम इकट्ठा हो गया. महिलाओं ने कहा कि सरकार शराब बंदी का वायदा भूल गई. भरतपुर के ढाबों तक में शराब की गंगा बह रही है. इसलिए अंग्रेजी शराब और चखने के साथ प्रदर्शन किया जा रहा है. इधर कांग्रेस ने साफकर दिया है कि शराब बंदी को नोटबंदी की तर्ज पर अचानक बंद नहीं किया जाएगा. नोटबंदी की तरह विभिन्न राज्यों में शराब बंदी भी बेअसर रही है. बेवड़ों की संख्या कम नहीं होती. घाटा सरकार को होता है और तस्कर चांदी काटते हैं. इसलिए शराबबंदी का फैसला पंचायत स्तर पर होगा. लोग खुद शराब छोड़ें, इसके लिए माहौल बनाया जा रहा है. इसमें महिला स्वयं सहायता समूहों का रचनात्मक सहयोग मिल रहा है. अब लौटते हैं शराबी के इसी गाने की अंतिम लाइन पर. फिर दोनों ऐसे मिले, प्यार में ही डूब गए, प्यार अगर मिले तो, हर नशा है बेकार.. जहां चार यार! थोड़ा इंतजार करो, दृश्य जरूर बदलेगा.

15 सदस्यों ने अंगदान का संकल्प लिया

रायपुर। इनरव्हील क्लब ऑफ रायपुर कॉस्मोपॉलिटन ने 27 नवम्बर को भारतीय अंगदान दिवस के मौके पर रायपुर के तेलीबांधा स्थित मरीन ड्राईव में रैली निकाल कर लोगों को अंगदान के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर इनरव्हील क्लब ऑफ रायपुर के 15 सदस्यों ने अंगदान का संलल्प लेते हुए विधिवत फार्म भी भरा। इनरव्हील क्लब ऑफरायपुर कॉस्मोपॉलिटन की अध्यक्ष वीणा दानी, सचिव वर्षा सिंघानिया, सदस्य आंचल झा, शर्मिला गुप्ता, संगीता सोमानी, शेफाली सोनी, संगीता केजरीवाल, अंजली खेर सहित अन्य सदस्यों ने जनसामन्य को अंगदान के महत्व के बारे में जानकारी दी।

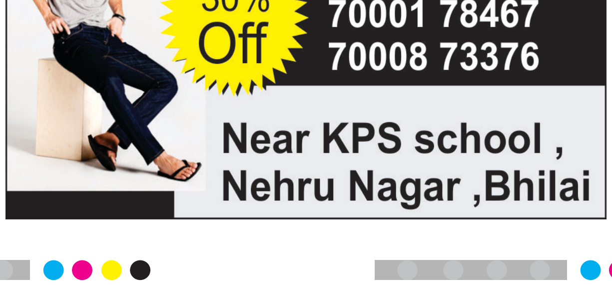

खास खबर...

लाईवलीहुड कॉलेज जोरा रायपुर में रोजगार सह कौशल मेला कल

रायपुर। जिला पंचायत एवं जिला कौशल विकास प्राधिकरण रायपुर द्वारा दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना के अंतर्गत 30 नवम्बर को सुबह 11 बजे से लाईवलीहुड कॉलेज जोरा रायपुर में रोजगार सह कौशल मेला का आयोजन किया जा रहा है। इस प्लेसमेंट कैंप में निजी क्षेत्र के 15 प्रतिष्ठानों द्वारा 500 से अधिक रिक्तियों पर नियुक्ति हेतु साक्षात्कार लिया जायेगा। इस मेला में शासन के स्व-रोजगारमूलक योजनाओं तथा कौशल विकास से संबंधित प्रशिक्षण की जानकारी भी दिया जायेगा।

सहायक संचालक जिला कौशल विकास प्राधिकरण रायपुर ने बताया कि रायपुर जिले के ये युवा जो कम से कम 10वीं परीक्षा उत्तीर्ण है, और जिनकी आयु 21 वर्ष से 35 वर्ष तक हो वे युवा अपने सभी प्रमाण पत्रों के मूल एवं सत्यापित प्रतिलिपि के साथ इस रोजगार सह कौशल मेला में साक्षात्कार के लिये उपस्थित हो सकतें हैं। यह रोजगार सह कौशल मेला युवाओं के लिये पूर्णतः निःशुल्क है। इस मेला में निजी क्षेत्र के नियोजक टेक्नोटारच प्राईवेट लिमिटेड, जस्ट डॉयल, टैली ब्रेन्स, बॉम्बे इंटिलिजेंस सिक्युरिटी सर्विसेस, रिलायंस निप्पोन लाईफ इन्शोरेन्स, एस.बी.आई. लाईफ इन्योरेन्स, एलआईसी वेस्टसाईड आदि शामिल होंगे। दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना या मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना या प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना अंतर्गत कौशल प्रशिक्षित युवाओं को चयन में प्राथमिकता दिया जायेगा। इन पदों के लिए चयनित युवाओं को उनके योग्यता एवं अनुभव अनुसार प्रतिमाह 8 हजार से 15 हजार रूपये का वेतन दिया जाएगा एवं इनका कार्यक्षेत्र निजी संस्थान के अनुसार होगा।

छत्तीसगढ़िया ओलंपिकः समापन दिवस पर होगा पुरस्कार वितरण

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन के खेलकूद एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा छत्तीसगढ़िया ओलंपिक 2022-23 के आयोजन हेतु मार्गदर्शिका एवं कार्ययोजना जारी की गई है। शासन की तरफ से इस मार्गदर्शिका की कंडिका 19 को आंशिक रूप से प्रतिस्थापित किया गया है। जिसके तहत राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं के आयोजन उपरांत विजेता प्रतिभागी/दलों को राज्य स्तरीय छत्तीसगढ़िया ओलंपिक के अंतिम दिवस (समापन दिवस) के अवसर पर पुरस्कार का वितरण किया जाएगा।

छत्तीसगढ़ी कला-संस्कृति को सहेज रही छत्तीसगढ़ सरकार

सबकी सहभागिता से छत्तीसगढ़ी भाषा को मिलेगी 8वीं अनुसूची में जगह

छत्तीसगढ़ी राजभाषा दिवस पर कवि-गोष्ठी, गोठ-बात कार्यक्रम सम्पन्न

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ी राजभाषा दिवस पर राजधानी रायपुर स्थित महंत घासीदास संग्रहालय के सभाकक्ष में कवि-गोष्ठी, गोठ-बात कार्यक्रम का आयोजन हुआ।

कवि गोष्ठी में चर्चा के दौरान साहित्यकारों ने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में राज्य सरकार छत्तीसगढ़ की कला-संस्कृति और परंपरा को सहेजने का काम कर रही है। सरकार इन प्रयासों से पिछले चार वर्षो में छत्तीसगढ़ी के प्रति लोगों की रूचि बढ़ी है। लोग अब कहीं भी छत्तीसगढ़ी बोलने-बताने में हिचकिचाते नहीं है। छत्तीसगढ़ी भाषा को राज्य में और अधिक सम्मान मिला है।

साहित्यकारों ने कहा कि अभी भी राजभाषा को आगे लाने के लिए काम करने की जरूरत है। साहित्यकारों ने कहा कि छत्तीसगढ़ी को संविधान की 8वीं अनुसूची में शामिल करने के लिए हम सबको साथ मिलकर काम करने की जरूरत है। हम सबकी सहभागिता से छत्तीसगढ़ी भाषा एक दिन जरूर 8वीं अनुसूची में शामिल होगी।

साहित्यकारों ने कहा कि पहले लोकल से ग्लोबल हुआ करता था, लेकिन आज जमाना बदल गया है। अब ग्लोबल से लोकल होने लगा है, इसलिए लोकल भाषा भी रोजगार की दृष्टिकोण से जरूरी है।

साहित्यकारों ने कहा कि भाषा वहां की संस्कृति की सूचक है। भाषा जितनी समृद्ध होगी, संस्कृति भी उतनी ही समृद्ध होगी। इसलिए छत्तीसगढ़ी भाषा को उनके मूल रूप में लाने की आवश्यकता है। कुछ साहित्यकारों ने कहा कि छत्तीसगढ़ी भाषा की समृद्धि को लेकर सामाजिक स्तर पर प्रयास होने लगा है। राज्य सरकार ने भी विशेष रूप से पहल शुरू की है। अब प्रदेश में मुख्यमंत्री की पहल से छत्तीसगढ़ी कला-संस्कृति, रीति-रिवाज के प्रति वातावरण बनने लगा है। छत्तीसगढ़ी भाषा को समृद्ध करने हम सबको आगे आना चाहिए।

गोठ-बात के दौरान छत्तीसगढ़ी के मानकीकरण, सांस्कृतिक तत्व और लोकनायक, महापुरूष पर लेखन, छत्तीसगढ़ी को 8वीं अनुसूची में शामिल करने, राजकाज और पाठ्यक्रम में छत्तीसगढ़ी विषयों पर चर्चा की गई।

कार्यक्रम में संस्कृति विभाग के संचालक विवेक आचार्य, राजभाषा आयोग के सचिव डॉ. अनिल भतपहरी, वरिष्ठ साहित्यकार परदेशी राम वर्मा, जागेश्वर प्रसाद, डॉ. शौरीन चन्द्रसेन, नंदकिशोर शुक्ला, डॉ. जे.आर.सोनी, पीसीलाल यादव, डुमन लाल ध्रुव, वैभव बेमेतरिहा सहित बडी संख्या में साहित्यकार, कलाकार और गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

समर्थन मूल्य पर 18.88 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्य में किसानों से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का सिलसिला अन्वरत रूप से जारी है। अब तक किसानों से 18 लाख 87 हजार 826 मीट्रिक टन धान का उपार्जन किया जा चुका है, जिसके एवज में किसानों को 3949 करोड़ रूपए का भुगतान भी बैंक लिंकिंग व्यवस्था के तहत किया जा चुका है। धान बेचने में किसानों को किसी भी तरह की दिक्कत न हो, इसको लेकर पूरी व्यवस्था पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। सभी उपार्जन केन्द्रों में पर्याप्त मात्रा में बारदाने उपलब्ध हैं।

समर्थन मूल्य पर धान खरीदने के लिए इस साल राज्य सरकार द्वारा किसानों को ऑनलाइन टोकन जारी करने की व्यवस्था के चलते किसानों को सहूलियत होने लगी है। बड़ी संख्या में किसान टोकन तुंहर हाथ एप के माध्यम से धान बेचने के लिए अपनी मर्जी के मुताबिक तिथि का चयन करने लगे हैं। इसके साथ ही उपार्जन केन्द्रों द्वारा मैन्युअल रूप से किसानों को टोकन जारी करने की व्यवस्था पूर्व वर्षों की भांति जारी है।

खाद्य सचिव टीके वर्मा ने बताया कि इस साल राज्य में समर्थन मूल्य पर धान बेचने के लिए राज्य में 25.92 लाख किसानों का पंजीयन हुआ है, जिसमें लगभग 2.23 लाख नये किसान हैं। राज्य में धान खरीदी के लिए 2568 उपार्जन केन्द्र बनाए गए हैं। सामान्य धान 2040 रूपए प्रति क्विंटल तथा ग्रेड-ए धान 2060 रूपए प्रति क्विंटल की दर से खरीदा जा रहा है। राज्य में धान खरीदी की व्यवस्था पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। सीमावर्ती राज्यों से धान के अवैध परिवहन को रोकने के लिए चेक पोस्ट पर माल वाहकों की चेकिंग की जा रही है। उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष की तरह इस वर्ष भी धान खरीदी के साथ-साथ धान का उठाव किया जा रहा है। आज की स्थिति में 15.17 लाख मीट्रिक टन धान के उठाव के लिए डी.ओ. जारी किया गया है, जिसके एवज में उपार्जन केंद्रों से 9.68 लाख मीट्रिक टन धान का उठाव हो चुका है।

राज्य में आज 28 नवंबर को 47,225 किसानों से 1,61,909 मीट्रिक टन धान की खरीदी की गई है, इसके अलावा ऑनलाइन प्राप्त टोकन के जरिए किसानों से 38,138 मीट्रिक टन से अधिक धान की खरीदी की गई। आगामी दिवस की धान खरीदी के लिए 62,816 टोकन तथा टोकन तुंहर हाथ एप के जरिये 11,675 टोकन ऑनलाइन जारी किए गए हैं।

स्वदेश दर्शन योजना का किया गया प्रस्तुतीकरण

पर्यटन विभाग की कार्ययोजना, मुख्य सचिव ने की समीक्षा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए स्वदेश दर्शन योजना के तहत छत्तीसगढ़ राज्य प्रास्पेक्टिव प्लान तैयार किया गया है जिसका छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड के अधिकारियों ने मुख्य सचिव अमिताभ जैन के समक्ष प्रस्तुतीकरण किया। प्रस्तुतीकरण में छत्तीसगढ़ के विभिन्न पर्यटन स्थलों की जानकारी दी गई। मुख्य सचिव ने पर्यटन विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए है कि छत्तीसगढ़ में पर्यटन डेस्टीनेशन स्थलों के चयन करते समय पर्यटन विशेषज्ञों एवं कंसलटेंट की राय ली जानी चाहिए। इसके बाद पर्यटन कलस्टरों की जानकारी अद्यतन की जाए। बैठक में बिलासपुर मुंगेली क्लस्टर सहित हसदेव बांगो, पाली चैतूरगढ़, अम्बिकापुर मैनपाट, जशपुर, जगदलपुर, चन्द्रपुर, राजमेरगढ़ और गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही सहित अन्य टूरिज्म डेस्टीनेशन क्लस्टर पर विस्तार से चर्चा की गई। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये इस बैठक में पर्यटन विभाग के सचिव अन्बलगन पी., वित्त विभाग की सचिव अलरमेल मंगई डी., संचालक नगरीय प्रशासन अयाज तम्बोली सहित टूरिज्म बोर्ड छत्तीसगढ़ के प्रबंध संचालक अनिल साहू सहित भारत सरकार के पर्यटन विभाग के अधिकारी शामिल हुए।

टीबी एवं कुष्ठ रोगियों की खोज के लिए चलेगा सघन अभियान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश में टीबी एवं कुष्ठ रोगियों की पहचान के लिए सघन अभियान चलाया जाएगा। अभियान के तहत 1 दिसम्बर से स्वास्थ्य विभाग की टीम घर-घर जाकर इन दोनों बीमारियों के संभावित मरीजों की पहचान करेगी। अभियान के अंतर्गत संभावित मरीजों की जांचकर पॉजिटिव पाए गए लोगों को इलाज भी उपलब्ध कराया जाएगा। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के सचिव प्रसन्ना आर. ने सभी जिलों के कलेक्टर को परिपत्र जारी कर अभियान के संबंध में विस्तृत दिशा-निर्देश दिए हैं।

सघन टीबी एवं कुष्ठ खोज अभियान दो चरणों में संचालित किया जाएगा। पहले चरण में 1 दिसम्बर से 21 दिसम्बर तक चार जिलों नारायणपुर, सुकमा, बीजापुर और दंतेवाडा को छोड़कर राज्य के अन्य सभी जिलों में यह अभियान संचालित किया जाएगा। बस्तर संभाग के नारायणपुर, सुकमा, बीजापुर और दंतेवाडा में 4 जनवरी 2023 से 25 जनवरी 2023 तक यह अभियान चलेगा। सघन टीबी एवं कुष्ठ खोज अभियान के दूसरे चरण में 2 जनवरी 2023 से 17 जनवरी 2023 तक सभी निजी चिकित्सालयों, नर्सिंग होम्स, प्राइवेट प्रैक्टिशनरों और केमिस्टों द्वारा चिन्हांकित टी.बी. व कुष्ठ के संदेहास्पद मरीजों की दैनिक सूची प्राप्त कर टी.बी. व कुष्ठ के पोर्टल में इन्द्राज किया जायेगा। इस दौरान जांच की जरूरत वाले संदिग्ध मरीजों का निःशुल्क सैंपल भी लिया जाएगा।

मुख्यमंत्री की पहलः किडनी के मरीजों के लिए नौ जिलों में निःशुल्क डायलिसिस की सुविधा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की पहल पर किडनी के मरीजों के लिए प्रदेश के नौ जिलों में निःशुल्क डायलिसिस की व्यवस्था कर दी गई है। राज्य सरकार की यह सेवा हर वर्ग के बीमार मरीजों को निःशुल्क उपलब्ध कराई जा रही है। अब तक प्रदेश में 13 हजार से अधिक निःशुल्क डायलिसिस सेशन किए जा चुके हैं।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन छत्तीसगढ़ द्वारा प्रदेश के नौ जिलों दुर्ग, कांकेर, कोरबा, बिलासपुर, जशपुर, सरगुजा, महासमुंद, बीजापुर और राजनांदगांव में निःशुल्क डायलिसिस की सुविधा प्रदान की जा रही है। इसके लिए जशपुर, दुर्ग और कांकेर जिले में पांच-पांच, अम्बिकापुर और महासमुंद में चार-चार, कोरबा में छह, बीजापुर में तीन और बिलासपुर में चार (सिम्स मेडिकल कॉलेज में तीन और बिलासपुर कोविड अस्पताल में एक मशीन की स्थापना की गई है।)

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार जनता की सुविधा के लिए स्वास्थ्य सुविधाओं से जुड़ी कई योजनाओं का संचालन कर रही है। इन योजनाओं के माध्यम से आमजनों को सस्ती दर पर दवा और निःशुल्क बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हो रही है। किडनी की बीमारी के कारण जिन मरीजों को डायलिसिस कराना होता है उन्हें निजी अस्पतालों में एक बार डायलिसिस कराने का एक हजार रूपए से 15 हजार रूपए तक खर्च करना पड़ता है। मुख्यमंत्री ने किडनी की बीमारी से ग्रसित मरीजों की चिंता करते हुए प्रदेश के नौ जिलों में निःशुल्क डायलिसिस की व्यवस्था करवा दी है।

प्रदेश में अब तक इन नौ जिला अस्पतालों में 13 हजार 798 निःशुल्क डायलिसिस सेशन किए जा चुके हैं। इनमें से दुर्ग जिले में 4 हजार 885, कोरबा में 4 हजार 872, कांकेर में 4 हजार 230, बिलासपुर में 3 हजार 504, महासमुंद में 2 हजार 631, सरगुजा में एक हजार 390, बीजापुर में 942 और जशपुर में 675 से अधिक सेशन किए गए हैं।

राजीव समोदा सिंचाई योजना के दूसरे चरण में नहर निर्माण कार्य का भूमिपूजन संपन्न

समोदा बैराज से अब ज्यादा ग्रामों को सिंचाई सुविधा मिलेगी

डॉ. शिवकुमार डहरिया ने किया भूमिपूजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर जिले के विकासखंड आरंग के अंतर्गत राजीव समोदा निसदा व्यपवर्तन योजना के दूसरे चरण के तहत मुख्य नहर के आर.डी क्रमांक 26.92 किलोमीटर से 31.33 किलोमीटर तक शेष नहर निर्माण कार्य जिसकी लागत करीब आठ करोड़ 31 लाख रूपए है। नगरीय प्रशासन मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया ने समोदा बैराज नहर निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि संसदीय सचिव जल संसाधन विभाग सुश्री शकुन्तला साहू थी।

समोदा बैराज के अंतर्गत शेष नहर निर्माण का कार्य पूर्ण हो जाने पर क्षेत्रीय किसानों को अपने खेतों में सिंचाई की सुविधा मुहैया होगी। इससे ग्राम अमसेना, केशला, धौराभाठा एवं मोहगांव सहित अन्य गांवों में नहरो से सिंचाई के लिए पानी मिलेगा। नगरीय प्रशासन मंत्री डॉ. डहरिया ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में किसान हितैषी योजनाओं के तहत किसानों को लाभान्वित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि समौदा बैराज नहर निर्माण कार्य बहुत जरूरी था, इसके वन जाने से किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त जल मिलेगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और कृषि मंत्री रविन्द्र चौबे के मार्गदर्शन में प्रदेश में खेती किसानी और सिंचाई सुविधाओं के विस्तार के अनेकों कार्य किए जा रहे हैं। डॉ. डहरिया ने अधिकारियों से कहा कि नहर निर्माण कार्य को जल्द पूरा करायें जिससे किसानो को फायदा हो। भूमिपूजन कार्यक्रम में जनपद अध्यक्ष खिलेश देवांगन, जिला पंचायत सदस्य दुर्गा राय और केसरी मोहन साहू मौजूद थे। इसी तरह से कार्यक्रम में कोमल साहू, संजय चेलक, खेदू डहरिया, शिवकुमार साहू, दशरू बंजारे, पुनीतराम साहू, राजेश्वरी डहरिया, कांति शत्रुहन कुर्रे एवं कुमार साहू सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं बड़ी सख्या में क्षेत्रीय नागरिक मौजूद थे।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

प्रीति ड्रेसेस
मेन्स एण्ड लेडिस वियर
जवाहर मार्केट, पावरहाउस, भिलाई
मो. 9589230033, 9993840094

● जीन्स
● टी-शर्ट
● शर्ट
● ट्राउजर
भारत जींस
जवाहर मार्केट, पावर हाउस, भिलाई

आरना इंटरप्राईजेस
कांटावाला
वाटर प्यूरीफायर के विक्रेता एवं सुधारक
छत्तीसगढ़ शासन द्वारा मान्यता प्राप्त
इलेक्ट्रानिक तराजू एवं सीसीटीवी कैमरा के विक्रेता व सुधारक
सर्कुलर मार्केट केम्प-2, भिलाई, न्यू जेपी स्पोर्ट्स के सामने
7828844440, 9993045122
नया बस स्टैण्ड, शिव मंदिर रोड, दुर्ग, 09981370285, 9302833333

आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
अनुप ट्रेडर्स
सर्कुलर मार्केट, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई

प्रमोद इंटरप्राइजेस
गेंहू, चांवल एवं दाल के थोक विक्रेता
लिंग रोड, केम्प-2, भिलाई-दुर्ग
फोनः 0788-2225449, 93290-13017

Hotel Shiv Prabha Inn. & Town King
The Family Restaurant
46-C Market, Near Sapana Talkies & Hotel Apana Keshari Lodge, Power House, Bhilai, Distt.-Durg (C.G.)
9893215251, 8966981590
Email.: ranjanaguptakeshari@gmail.com

BIHAR BOOT HOUSE
Jawahar Market, Power House
Bhilai 9826181183

सर्दी-खांसी होने पर तुरंत एंटीबायोटिक दवाएं खाना

स्वास्थ्य के लिए है खतरा

सर्दी-खांसी से लेकर कई ऐसी छोटी-छोटी समस्याएं हैं, जिनसे तुरंत आराम पाने के चक्कर में ज्यादातर लोग डॉक्टरी सलाह के बिना ही धड़ल्ले से एंटीबायोटिक्स दवाओं का सेवन करने लगते हैं। यह पूरी तरह से गलत है। हर किसी को पता होना चाहिए कि एंटीबायोटिक्स एक एंटी-बैक्टीरियल पदार्थ है, जो बैक्टीरिया के खिलाफ सक्रिय होता है।बिना चिकित्सक के परामर्श के इनका इस्तेमाल परेशानी पैदा सकता है। आइए जानते हैं कि एंटीबायोटिक्स का अधिक सेवन स्वास्थ्य के लिए खतरा कैसे है।

एंटीबायोटिक्स क्यों हैं खतरनाक?

एंटीबायोटिक्स खतरनाक नहीं है, लेकिन जानकारी के अभाव में इसे आम दवा समझकर-धड़ल्ले से खाना स्वास्थ्य के लिए खतरनाक हो सकता है। एंटीबायोटिक्स दवाइयां बाजार में आसानी से उपलब्ध होती हैं और केमिस्ट भी बिना किसी डॉक्टर की पर्ची के इन्हें बेच देते हैं। कई झोलाझाप डॉक्टर सामान्य सर्दी-जुकाम के लिए भी एंटीबायोटिक्स लिख देते हैं। इससे भविष्य में बड़ा खतरा हो सकता है। ऐसे में हमेशा अपनी समस्याओं के इलाज के लिए अनुभवी डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए।

सामान्य सर्दी-खांसी में एंटीबायोटिक्स लेने से बचना चाहिए, क्योंकि ये वायरल संक्रमण है। इन समस्याओं के लिए एंटीबायोटिक्स देता है तो उनसे यह जरूर पूछें कि क्या सच में आपको एंटीबायोटिक्स की जरूरत है? उन्होंने आगे बताया कि टॉन्सिल, बलगम वाली खांसी, किडनी संक्रमण या यौन संक्रमण आदि बैक्टीरियल संक्रमण होने पर डॉक्टर्स के लिए एंटीबायोटिक्स देना जरूरी हो जाता है।

किन एंटीबायोटिक का होता है सबसे अधिक इस्तेमाल?

सिप्लॉक्स टीजेड, नॉरफ्लोक्स, एमोक्सिसिलिन और एजिथ्रोमाइसिन नामक एंटीबायोटिक्स का इस्तेमाल सबसे ज्यादा किया जाता है। इनका आवश्यकता से अधिक इस्तेमाल करना लोगों के शरीर को आगे चलकर काफी प्रभावित कर सकता है।

एंटीबायोटिक्स का इस्तेमाल सिर्फ डॉक्टर की सलाह से ही क्यों करना चाहिए?

हर तरह के संक्रमण के लिए अलग-अलग एंटीबायोटिक्स की जरूरत होती है। यदि आप बिना डॉक्टर की सलाह के किसी भी एंटीबायोटिक दवा का सेवन करने लगते हैं तो आपका शरीर उसके साथ संयोजना बैठा लेगा और जब आपको उसकी जरूरत होगी तो वह काम नहीं करेगी। दरअसल, एंटीबायोटिक्स लेने से सभी बैक्टीरिया नहीं मरते और जो बच जाते हैं, उन्हें उस एंटीबायोटिक्स से मारना असंभव हो जाता है और यहीं एंटीबायोटिक रेजिस्टेंट बैक्टीरिया कहलाते हैं।

साल 2019 में हुई 12 लाख से अधिक मौतें

एक अध्ययन के अनुसार, साल 2019 में दुनियाभर में एंटीबायोटिक रेजिस्टेंट बैक्टीरिया के संक्रमण के कारण 12.70 करोड़ से अधिक लोगों की मौत हुई हैं। ग्लोबल रिसर्च ऑन एंटीमाइक्रोबियल रेसिस्टेंस रिपोर्ट में दुनिया के 204 देशों और क्षेत्रों में एंटीमाइक्रोबियल रेसिस्टेंस के प्रभाव का अनुमान लगाने के लिए सांख्यिकीय मॉडलिंग का उपयोग किया गया था। इस अध्ययन से स्पष्ट है कि आवश्यकता से अधिक एंटीबायोटिक का इस्तेमाल मौत का कारण भी बन सकता है।

2019 में भारत में 47 प्रतिशत से अधिक एंटीबायोटिक फॉर्मूलेशन अस्वीकृत- अध्ययन

एक अध्ययन के अनुसार, साल 2019 में भारत के निजी क्षेत्र में इस्तेमाल किए गए 47 प्रतिशत से अधिक एंटीबायोटिक फॉर्मूलेशन को केंद्रीय दवा नियामक से स्वीकृति ही नहीं मिली है। 2022 में हुए इस शोध में पाया गया कि एजिथ्रोमाइसिन 500 एमजी टैबलेट भारत में सबसे अधिक इस्तेमाल किया जाने वाला एंटीबायोटिक फॉर्मूलेशन (7.6 प्रतिशत) था। इसके बाद सेफिक्साइम 200 मिलीग्राम टैबलेट की खपत 6.5 प्रतिशत रही है।

एंटीबायोटिक रेजिस्टेंट बैक्टीरिया से सुरक्षित रहने के लिए क्या करें?

हमेशा डॉक्टर की सलाह के बाद एंटीबायोटिक्स लें। अगर आपका एंटीबायोटिक्स का कोर्स पूरा होने के बाद इसकी गोलियां बच जाती हैं तो उन्हें कचरे में फेंक दें, क्योंकि जरूरी नहीं है कि अगली बार अन्य किसी बीमार के इलाज में वही एंटीबायोटिक्स असर करे। किसी दूसरे मरीज को डॉक्टर द्वारा लिखी एंटीबायोटिक का कभी भी खुद इस्तेमाल नहीं करना चाहिए, भले ही उसकी बीमारी के लक्षण आपसे मिलते-जुलते ही क्यों न हों। इसी तरह हाइजीन का ध्यान रखना चाहिए।

संजना संघी ने साइन की नई फिल्म! मिला पंकज त्रिपाठी का साथ

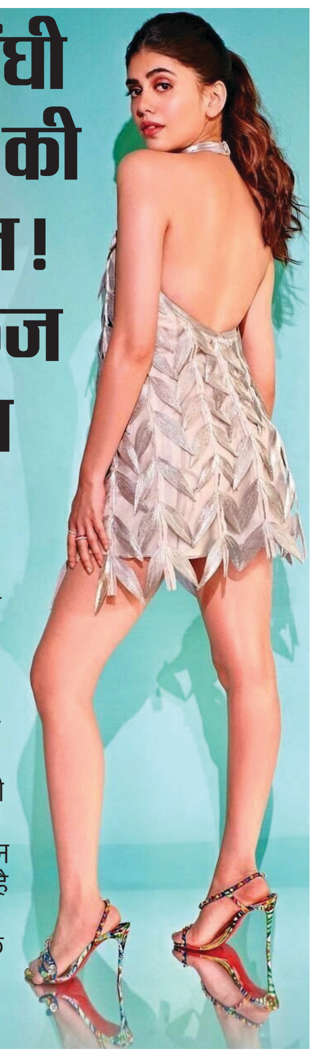

अभिनेत्री संजना संघी बॉलीवुड में अपने पांव जमाने के लिए जी-तोड़ मेहनत कर रही हैं। पिछली बार उन्हें फिल्म दिल बेचारा में लीड भूमिका में देखा गया था। उसके बाद से ही दर्शक उनकी अगली फिल्म की राह देख रहे थे। अब खबर है कि उन्होंने एक नई फिल्म साइन कर ली है और खास बात यह है कि इसमें वह बॉलीवुड के बेहतरीन अभिनेताओं में से एक पंकज त्रिपाठी के साथ स्क्रीन शेयर करेंगी।

फिल्म से जुड़े एक सूत्र ने बताया, संजना जल्द ही निर्देशक अनिरूद्ध रॉय चौधरी की अगली फिल्म में अपनी मौजूदगी दर्ज कराएंगी, जो पिंक जैसी शानदार फिल्म दर्शकों के बीच पेश कर चुके हैं। उन्होंने यह फिल्म साइन कर ली है। सूत्र ने बताया, संजना इसमें पंकज त्रिपाठी के साथ दिखने वाली हैं। अभिनेत्री पार्वती थिरुवोथु भी इस फिल्म का हिस्सा हैं। फिल्म में कई जाने-पहचाने चेहरे दिखेंगे, जिनके नाम निर्माता अभी बाहर नहीं आने देना चाहते।

हिंदी सिनेमा में छोटे-छोटे किरदार निभाकर आज लोगों की पहली पसंद बनने वाले पंकज त्रिपाठी बॉलीवुड से लेकर ओटीटी प्लेटफॉर्म पर भी अपना नाम कमा चुके हैं। अपने दमदार अभिनय से सबको अपना दीवाना बनाने वाले पंकज फिल्म ओह माय गॉड 2 में भी दिखेंगे।

संजना और पंकज अभिनीत यह फिल्म विज फिल्म्स के बैनर तले बन रही है, जो सलमान खान की डॉक्यूमेंट्री सीरीज सलमान खान- बियॉन्ड द स्टार लेकर आ रहा है। फिल्म के लिए कलाकारों का चयन हो चुका है और कहानी भी फाइनल हो गई है। जल्द ही इसके प्री-प्रोडक्शन का काम शुरू होगा। निर्माता आने वाले दिनों में फिल्म की घोषणा करेंगे। अभी इस फिल्म का नाम तय नहीं हुआ है और ना ही इसकी रिलीज डेट सामने आई है।

संजना ने पिछले दिनों सोशल मीडिया पर अपनी एक तस्वीर पोस्ट की थी, जिसके बाद कयास लगाए जाने लगे थे कि वह अपनी नई फिल्म की तैयारी कर रही हैं। उन्होंने लिखा था, मेरे पास यह बताने के लिए शब्द नहीं हैं कि मैं अपने अगले सफर की शुरुआत करने के लिए कितनी उत्साहित हूं। मैं इस कहानी से जुड़कर सम्मानित महसूस कर रही हूं। आपको अपनी अगली फिल्म के बारे में बताने का अब और इंतजार नहीं कर सकती।

संजना जब आठवीं क्लास में थीं तो उन्हें पहली बार बड़े पर्दे पर इम्तियाज अली की फिल्म रॉकस्टार में काम करने का मौका मिला था। उन्होंने बार बार देखो, फुकरे रिटर्न्स और हिंदी मीडियम में सहायक भूमिका निभाई। इसके अलावा संजना शॉर्ट फिल्म उलझे हुए में भी दिखीं। 2020 में उन्हें दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की फिल्म दिल बेचारा में काम करने का मौका मिला। दोनों की जोड़ी खूब पसंद की गई और इसी फिल्म से संजना लोकप्रिय हुईं।

घर पर आसानी से हेयर क्लींजर बनाने के पांच तरीके

सर्दियों के दौरान बालों से जुड़ी कई समस्याओं का सामना करना पड़ जाता है। वहीं, रोजाना शैंपू करने से बालों की प्राकृतिक नमी निकल जाती है, जिससे स्कैल्प में खुरदरापन और रूखापन बढ़ सकता है क्योंकि ज्यादातर शैंपू में सिलिकॉन और सल्फेट्स जैसे तत्व होते हैं। हालांकि, घरेलू हेयर क्लींजर सुरक्षित होते हैं और बिना किसी नकारात्मक प्रभाव के बालों की कई समस्याओं का इलाज करते हैं। आइए आज पांच तरह के हेयर क्लींजर बनाने के तरीके जानते हैं।

हर्बल हेयर क्लींजर

शिकाकाई, रीठा और आंवला से बना हर्बल हेयर क्लींजर बालों के विकास को बढ़ावा देगा, डैंड्रफ को कम करेगा और बालों के झड़ने को रोकने समेत बालों में चमक लाने में मदद कर सकता है। इसके लिए गरम पानी में शिकाकाई पाउडर, रीठा पाउडर और आंवला पाउडर मिलाएं। अब इस मिश्रण से अपने बालों और स्कैल्प की तीन-चार मिनट तक मसाज करें। फिर पांच मिनट बाद पानी से सिर को धो लें।

बनाना स्मूदी हेयर क्लींजर

दूध, शहद और केले के गुणों से भरपूर यह हेयर क्लींजर आपके बालों को घना, मजबूत और चमकदार बनाने के साथ-साथ बालों के रोमछिद्रों को नमी प्रदान कर सकता है। इसके लिए सबसे पहले एक ब्लेंडर में दूध, केला और शहद को तब तक फेंटें जब तक कि वह चिकना और गाढ़ा न हो जाए। इसके बाद इस पेस्ट से अपने बालों पर मसाज करें और कुछ मिनट बाद सामान्य तापमान वाले पानी से सिर को धो लें।

गुड़हल का हेयर क्लींजर

गुड़हल का फूल कई ऐसे पोषक तत्वों से भरपूर होता है, जो बालों और स्कैल्प को गहराई से साफ करने समेत बालों के झड़ने और डैंड्रफ का इलाज करने में काफी मदद कर सकते हैं। इसका हेयर क्लींजर बनाने के लिए गुड़हल की पंखुड़ियों को थोड़े से पानी के साथ पीसकर पतला और चिकना मिश्रण बना लें। अब इस मिश्रण से अपने सिर की मसाज करने के पांच मिनट बाद इसे पानी से धो लें।

खीरे का हेयर क्लींजर

यह हेयर क्लींजर आपके सिर की त्वचा को ठंडक देगा, बालों को मजबूत करने समेत इसके विकास को बढ़ावा देने में बहुत मदद कर सकता है। इसके लिए सबसे पहले नींबू के रस और खीरे के टुकड़ों को थोड़े से पानी के साथ ब्लेंड करें। अब इस मिश्रण से धीरे-धीरे अपने बालों की मसाज करें। इसके बाद अपने बालों को सामान्य पानी से धो लें।

बेसन और दही हेयर क्लींजर

यह हेयर क्लींजर आपके स्कैल्प के पीएच स्तर को संतुलित करके रूखेपन से बचाने में मदद कर सकता है। इसमें शामिल दही स्कैल्प के संक्रमण से बचाता है और स्वस्थ बालों के विकास को बढ़ावा दे सकता है। इसके लिए थोड़ा दही समेत बेसन मिलाएं और इसे अपने बालों और स्कैल्प पर लगाकर अच्छे से मसाज करें और पांच मिनट बाद सामान्य पानी से सिर को धो लें।

आशा पारेख का महिलाओं के फैशन पर ऐतराज, बोलीं-

पारंपरिक परिधान छोड़ वेस्टर्न कपड़े पहन रहीं

अपने जमाने की मशहूर अभिनेत्री आशा पारेख एक बार फिर चर्चा में हैं। हाल ही में वह गोवा में आयोजित हुए 53वें इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफइंडिया में पहुंची थीं। यहां उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री, भारतीय संस्कृति और समाज पर बातचीत की। उन्होंने महिलाओं के नए फैशन पर भी ऐतराज जताया। आशा ने महिलाओं के वेस्टर्न कपड़े पहनने को लेकर अपनी राय दी। उन्होंने बताया कि समय के साथ सबकुछ बदल चुका है। आइए जानते हैं आशा ने क्या कुछ कहा।

महिलाओं के कपड़ों के लिए कही ये बात

80 वर्षीया आशा ने कहा, मुझे दुख होता है कि शादियों में महिलाएं पारंपरिक परिधानों को छोड़ वेस्टर्न कपड़े पहन रही हैं। वे गाउन पहनकर आ रही हैं। अरे भैया, हमारी घाघरा चोली, साड़ियां और सलवार कमीज है, आप वो पहनो ना। उन्होंने कहा, वे बस स्क्रीन पर हीरोइनों को देखती हैं और उन्हें कॉपी करना चाहती हैं। स्क्रीन पर देखकर सोचते हैं वो जो कपड़े पहन रहे हैं, उस तरह के कपड़े हम भी पहनेंगे।

आशा ने दिया अपनी संस्कृति अपनाने पर जोर

आशा ने कहा, अपने फिगर की परवाह किए बगैर मोटे हो या जो, महिलाएं बस हीरोइनों की देखा-देखी कर रही हैं। चाहे फिर वो कपड़ा आपके शरीर पर फब रहा हो या नहीं, उससे कोई फर्क नहीं पड़ता। पता नहीं हम क्यों पश्चिमी देशों की नकल कर रहे हैं? उन्होंने कहा, हमारे पास इतनी महान संस्कृति, नृत्य और संगीत है कि हम इसे पॉप संस्कृति में वापस ला सकते हैं। हमारे दौर से अब तक बहुत कुछ बदल चुका है।

आशा को याद आया अपना दौर

आशा ने कहा, हमारे समय में हीरोइनों को खराब अनुभव से गुजरना पड़ता था। कई बार हम लोग जब शूटिंग पर जाते थे तो स्टूडियो में बाथरूम तक नहीं होते थे। वैनिटी वैन की बात बहुत दूर है। उन्होंने बताया कि कभी-कभार यह स्थिति होती थी कि महिला कलाकारों को बाथरूम ना होने के कारण पूरा दिन यूं ही गुजार देना पड़ता था। लोग आउटडोर शूटिंग पर जाते थे तो कई बार झाड़ियों के पीछे जाकर कपड़े बदलने पड़ते थे।

दिलीप कुमार को नापसंद करने की बात पर क्या बोलीं आशा?

आशा ने उस रिपोर्ट पर भी चुप्पी तोड़ी, जिसमें कहा गया कि वह दिलीप कुमार को कभी पसंद नहीं करती थीं और इसी वजह से उन्होंने उनके साथ काम नहीं किया। इस पर आशा ने कहा, मैंने ऐसी खबर पढ़ी थी कि मैं दिलीप कुमार को पसंद नहीं करती थी। हालांकि, मैं उन्हें पसंद करती थी और उनके साथ काम भी करना चाहती थी। हमने साथ में एक फिल्म साइन की थी, लेकिन बदकिस्मती से वो फिल्म नहीं आई।

आशा ने 10 साल की उम्र में 1952 में फिल्म 'मां' से बॉलीवुड में कदम रखा था। उनकी आखिरी फिल्म 1999 में आई 'सर आंखों पर' थी। भारतीय सिनेमा में उनके योगदान के लिए उन्हें पद्म श्री और दादासाहेब फाल्के पुरस्कार मिल चुका है।

ब्लू कलर की बॉडीकॉन ड्रेस में वाणी कपूर लगीं गजब की बला

एक्ट्रेस वाणी कपूर भले ही फिल्मों की सुपरहिट से दूरी पर हों, लेकिन उनकी कातिलाना अदाएं सोशल मीडिया पर अक्सर सुर्खियां बटोरती रहती हैं। वहीं, एक्ट्रेस वाणी कपूर ने ब्लू कलर के आउटफिट में अपनी ग्लैमरस तस्वीरें शेयर की हैं। वहीं, एक्ट्रेस वाणी कपूर की तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं। एक्ट्रेस वाणी कपूर अपनी दिलकश अदाओं से फैंस के दिलों की धड़कनें बढ़ाए रहती हैं। वाणी कपूर ने ब्लू कलर की बॉडीकॉन ड्रेस में अपना कर्वी फिगर फ्लॉन्ट किया है। न्यूड मेकअप और स्टाइलिश हेयर स्टाइल में वाणी कपूर बेहद ही हॉट लग रही है। एक्ट्रेस वाणी कपूर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। वो अपनी तस्वीरे और वीडियो फैंस के लिए शेयर करती रहती हैं। इस ड्रेस में वाणी कपूर बेहद सुंदर और गजब की बला लग रही हैं। उनका कातिलाना लुक देखकर कोई भी फिदा हो जाए। वाणी कपूर ने अपनी लेटेस्ट तस्वीरे अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर शेयर किया है। सोशल मीडिया पर वाणी कपूर की ये लेटेस्ट तस्वीरें सामने आते ही फैंस का हुजूम लाइक और कमेंट्स करने में जुट गया। बॉलीवुड स्टार रणबीर कपूर की फिल्म शमशेरा में नजर आईं थीं। हालांकि ये फिल्म बॉक्सऑफिस पर खासा कमाल नहीं दिखा पाई। वाणी कपूर की इंस्टाग्राम पर जबरदस्त फैन फॉलोइंग है। उनके इंस्टा पर 6.3 मिलियन फॉलोवर्स हैं।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Paul Sir
BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरल उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

खास खबर

पशुचारा के लिए किसानों ने 93 हजार क्विंटल से अधिक का पैरादान किया

महासमुंद। जिले में अब तक 93 हजार क्विंटल (93 टन) से अधिक का पैरादान गौठानों में किया गया है। कृषि विभाग के उप संचालक ने बताया कि 52 गांवों के 127 किसानों ने अब तक 93.76 टन गौठान में पैरादान किया है। कलेक्टर श्री निलेशकुमार क्षीरसागर ने किसानों से अपील की है कि फसल कटने के बाद पैरा को एकत्रित करके पशुओं के लिए चारा गौठानों में दान करें। बतादें कि राज्य शासन की महत्वाकांक्षी योजना के तहत नरवा, गरूवा, घुरवा, बाड़ी अंतर्गत जिले के ग्रामों में बने गौठानों में पशुओं को पर्याप्त चारे की व्यवस्था के लिए पिछले वर्ष की भॉति इस वर्ष भी किसान स्वयं आगे आकर फसल कटने के बाद पैरा दान कर रहें हैं। इसके लिए विभागीय अमलों के द्वारा किसानों से अपील भी की जा रहीं हैं। किसानों के द्वारा दान की गई पैरा को गौठान में संग्रहित कर व्यस्थित तरीके से रखा जा रहा है, ताकि लम्बे समय तक पशुओं को चारा मिल सके। प्रभारी उप संचालक कृषि विभाग ने जानकारी में बताया कि गांवों में ग्रामीणों की बैठक लेकर पैरादान के लिए अपील की जा रही हैं। इससे प्रेरित होकर किसान गौठानों मे पैरा उपलब्ध करा रहे है। सभी विकासखण्ड स्तरीय अधिकारी-कर्मचारियों एवं ग्राम स्तर के अधिकारी को निर्देशित किया है।

कलेक्टर जनदर्शन में ग्रामीणों ने कलेक्टर के समक्ष रखी अपनी मांग एवं समस्याएं

सुकमा। कलेक्टर कार्यालय में जनदर्शन कार्यक्रम के अन्तर्गत ग्रामीणों ने विभिन्न मांगों एवं समस्याओं से संबंधित आवेदन कलेक्टर हरिस एस. के समक्ष प्रस्तुत किए। छिन्दगढ़ विकासखण्ड के ग्राम उरमापाल के कुशलपारा से आए दर्जनों ग्रामीणों ने कलेक्टर के समक्ष स्वच्छ पेयजल आपूर्ति हेतु पानी टंकी व्यवस्था करवाने की मांग रखी। ग्रामीणों में श्रीमती सोनो बघेल ने बताया कि उरमापाल में 7 पारा है जिनमे बोरिंग है किन्तु पीने योग्य पानी की आपूर्ति नहीं होती। फलस्वरूप ग्रामीण करीब डेढ़ किलोमीटर दूर स्थिति बोरवेल से पीने योग्य पानी लाने को विवश है। साथ पानी का नूमना भी लायीं थी। इस पर कलेक्टर ने बताया कि जल जीवन मिशन अन्तर्गत जिले के हर गांव में घरों-घर नल कनेक्शन दिया जा रहा है।

शहीद की माता को पेंशन दिलाने आयोग मुख्य सचिव और डीजीपी को लिखेगा पत्र

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ.श्रीमती किरणमयी नायक एवं सदस्यगण श्रीमती शशिकांता राठौर और श्रीमती अर्चना उपाध्याय ने आज सिंचाई विभाग के सभागार प्रार्थना भवन में महिलाओं से संबंधित शिकायतों के निराकरण के लिए सुनवाई की। जिले की सुनवाई में आज 30 प्रकरण रखे गए थे, जिनमें से 11 प्रकरण नस्तीबद्ध किए गए।

एक महत्वपूर्ण प्रकरण में आयोग ने सुनवाई करते हुए झीरम घाटी में शहीद की माता को पेंशन राशि दिलाने और शहीद के परिवार के बीच सामंजस्य कर प्रकरण में स्थायी समाधान करने का निर्णय लिया। महिला आयोग द्वारा सम्पूर्ण प्रकरण के संक्षिप्त तथ्यों का उल्लेख करते हुए आर्डरशीट की प्रमाणित प्रति के साथ पत्र मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ शासन, गृहमंत्री मुख्य सचिव और डीजीपी को भेजने का निर्णय लिया गया। इस प्रकरण में बताया गया कि आवेदिका के पति और अनावेदकगण के पुत्र झीरम घाटी में शहीद हुए थे। उस समय उनकी पोस्टिंग जगदलपुर में शहीद नंदकुमार पटेल के फॉलोगार्ड के रूप में थी। वे अपने माता-पिता के इकलौते पुत्र थे। जिनका विवाह अनावेदिका से वर्ष 2011 में हुआ था। शहीद 2008 से शासकीय सेवा में कार्यरत थे। उनकी मां का नाम नॉमिनी में दर्ज कराया गया था। पत्नी का नाम शासकीय अभिलेख में दर्ज नहीं था। सामाजिक, पारिवारिक और विभागीय सदस्यों की समझाईश पर अनावेदक ने अनुकंपा नियुक्ति के अनावेदिका का नाम अभिलेख में दर्ज कराया। जिसके आधार पर अनावेदिका की अनुकंपा नियुक्ति असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर के रूप में आईजी ऑफिस में हुई। मृत्यु के पश्चात् 38 लाख रूपए एकमुश्त और 20 हजार पेंशन मिलने लगी। आवेदिका का कथन है कि उन्होंने अनावेदकगण माता-पिता को 12 लाख रूपए दिया था। आवेदिका ने वर्ष 2019 में ही अपने विभाग में बाबू के रूप में पदस्थ व्यक्ति से पुनर्विवाह कर लिया। आवेदिका ने यह भी बताया कि अनावेदकगण उसकी अनुकंपा नियुक्ति समाप्त करने और पेंशन पाने के लिए अलग-अलग शिकायत कर रहे हैं। अनावेदकगण का कहना है कि उनके पास जीवन यापन के लिए और कोई साधन नहीं है। आवेदिका ने पुनर्विवाह कर लिया है ऐसी स्थिति में पेंशन राशि पाने की पात्रता शहीद की माता को मिलना चाहिए। इसलिए अनावेदकगण द्वारा विभाग में आवेदन दिया जा रहा है। आयोग द्वारा दोनों पक्षों को समझाईश दी गई कि एक-दूसरे के खिलाफ शिकायत करने से समस्या का हल नहीं होगा। दोनों पक्षों ने इस बात पर सहमति जताई कि आवेदिका अनुकंपा नियुक्ति पर कार्यरत बनी रही और पेंशन की पात्रता शहीद की माता को दी जाए। आयोग ने कहा कि वह इस महत्वपूर्ण मामले में समस्या के स्थायी समाधान करने में विशेष रूचि लेकर लगातार प्रयास करेगा। इस निर्णय के साथ यह प्रकरण नस्तीबद्ध किया गया। एक अन्य प्रकरण में आवेदिका ने अपने खाते से पैसे के गबन की शिकायत बैंक मैनेजर के खिलाफ की। आवेदिका ने बताया कि वर्ष 2016 से वर्ष 2019 तक बैंक से अलग-अलग समय पर पर्ची में अंगूठा लगाकर पैसे निकाले थे।

सीएम ने साहित्यकारों का सम्मान और 10 रचनाओं का किया विमोचन

13 साहित्यकारों का किया सम्मान

मुख्यमंत्री ने प्रदेश वासियों को दी छत्तीसगढ़ी राजभाषा दिवस की बधाई

मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में छत्तीसगढ़ी राजभाषा दिवस का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग के द्वारा आज छत्तीसगढ़ी राजभाषा दिवस का आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने राजभाषा दिवस के अवसर पर छत्तीसगढ़ के 13 साहित्यकारों को छत्तीसगढ़ी भाषा के प्रति उनकी सेवा को देखते हुए सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ी भाषा के 10 साहित्यकारों की रचनाओं का मुख्यमंत्री ने विमोचन भी किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने सभी को संबोधित करते हुए प्रदेश वासियों को राजभाषा दिवस की बधाई दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ी हमारी मातृ भाषा और हमारा अभिमान है जिसको संवारने और आगे बढ़ाने का काम छत्तीसगढ़ की वर्तमान सरकार द्वारा लगातार किया जा रहा है। मुख्यमंत्री बघेल ने कहा कि उनकी सरकार ने अरपा पैरी के धार को राजगीत बनाया और सरकारी स्कूलों में छत्तीसगढ़ी भाषा में पढ़ाई लिखाई शुरू करवाई। मुख्यमंत्री ने कहा कि हर छत्तीसगढ़िया की जिम्मेदारी है कि वो छत्तीसगढ़ी को आगे बढ़ाने का काम करे। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर कहा कि छत्तीसगढ़ शासन स्थानीय तीज त्यौहारों और खेलों को बढ़ावा देकर देश दुनिया में छत्तीसगढ़ी को पहचान दिलाने का काम कर रही है। छत्तीसगढ़ी राजभाषा दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री ने जागेश्वर प्रसाद जिला- रायपुर, रामेश्वर शर्मा जिला रायपुर, डॉ. जे. आर. सोनी जिला- दुर्ग, पी सी लाल यादव जिला सक्ती, दुर्गा प्रसाद पारकर जिला रायपुर, रामनाथ साहू जिला- रायपुर, श्रीमती सोरिन चन्द्रसेन जिला- महासमुंद, परमानंद वर्मा जिला खैरागढ़, बुधराम यादव जिला बिलासपुर, रंजीत सारथी जिला- सरगुजा , डॉ. शैल चन्द्रा जिला धमतरी, डुमन लाल धुव जिला धमतरी एवं रुद्र नारायण पाणिग्राही जिला- जगदलपुर को छत्तीसगढ़ी भाषा के प्रति उनके विशेष योगदान के लिए सम्मानित किया। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने राजभाषा दिवस के अवसर पर छत्तीसगढ़ी राजभाषा आयोग द्वारा प्रकाशित पुस्तकों का विमोचन भी किया। मुख्यमंत्री ने महेत्तरू मधुकर की रचना गुरतुर भाखा, डॉ. सुरेश कुमार शर्मा की वाल्मिकी रामायण, सुखदेव सिंह अहिलेश्वर की बंगस्य छन्द अंजोर, तेजपाल सोनी की मद भगवत गीता, सुमन लाल ध्रुव की गांव ल सिरजाबो, राजेन्द्र प्रसाद सिन्हा की अमरईया हे मनभावन, कमलेश प्रसाद शरमा बाबू की कुटिस बंदरा जझरग-जझरग, डॉ. शिल्पी शुक्ला की छत्तीसगढ़ महिला लेखन और उर्मिला शुक्ल की रचनाएँ तथा पी.सी. लाल यादव की कृतियों का विमोचन किया। कार्यक्रम में संस्कृति विभाग के सचिव अन्बलगन पी एवं संस्कृति विभाग के संचालक विवेक आचार्य भी उपस्थित थे।

बच्चों के साथ लैंगिक अपराध उजागर करना दण्डनीय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बच्चों के साथ लैंगिक अपराध होने के प्रकरणों में उनकी पहचान उजागर करना लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम (पॉक्सो एक्ट) की धारा 23 का उल्लंघन और दण्डनीय अपराध है। इसका उल्लंघन होने पर 06 माह से 01 वर्ष तक की सजा या जुर्माना या दोनों हो सकता है। छत्तीसगढ़ राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने अनेक समाचार पत्र, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, वेब न्यूज पोर्टल के द्वारा ऐसे मामलों में बच्चों की पहचान उजागर करने पर पुलिस अधीक्षकों को समुचित कार्रवाई करने की अनुशंसा की है।

आयोग ने ऐसे प्रकरणों में तत्काल संज्ञान लेकर प्रकाशित, प्रसारित समाचार में बच्चे की पहचान उजागर हो जाने की दशा में अविलंब प्रकरण दर्ज कर दोषियों के विरूद्ध नियमानुसार कार्रवाई कर आयोग को अवगत कराने कहा है। आयोग ने जनसंपर्क विभाग को पत्र लिखकर मीडिया का ध्यान इस ओर आकर्षित करने और ऐसे मामलों में नियमानुसार कार्रवाई करने की अनुशंसा की है।

आयोग द्वारा जारी पत्र में बताया गया है कि लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम 2012 की धारा 23 (2) में प्रावधान है कि किसी मीडिया से कोई रिपोर्ट, बालक की पहचान जिसके अंतर्गत उसका नाम, पता, फोटो चित्र, परिवार के ब्यौरे, विद्यालय, पड़ोस या अन्य किन्हीं विशिष्टियों को प्रकट नहीं करेगी, जिससे बालकों के पहचान का प्रकटन अग्रसारित होता हो।

ऐसा नहीं करने पर धारा 23 (4) किसी भी प्रकार के कारावास से, जो 6 मास से अन्यून नहीं होगा, किंतु जो 01 वर्ष तक हो सकेगा या जुर्माने से या दोनों से, दण्डनीय होगा।

छत्तीसगढ़ राज्य बाल संरक्षण आयोग ने स्पष्ट किया है कि बच्चों के साथ लैंगिक अपराध होने की दशा में किसी भी प्रकार से पहचान प्रकट नहीं की जा सकती है। समाचार पत्रों, इलेक्ट्रानिक मीडिया, वेबपोर्टल या अन्य मीडिया के द्वारा संस्थाओं का नाम, फोटो आदि प्रकाशित किये जाने की घटनाएं घट रही हैं। आयोग द्वारा उक्त घटनाओं को रोकने तथा बच्चों को सुरक्षित व अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराने की दृष्टि से बालक अधिकार संरक्षण आयोग अधिनियम के तहत अनुशंसा की है।

जिला स्तरीय छत्तीसगढ़िया ओलंपिक के समापन समारोह में स्कूल शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम हुए शामिल

छत्तीसगढ़िया ओलंपिक मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की अभिनव पहल- स्कूल शिक्षा मंत्री डॉ. टेकाम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में स्थानीय और पारंपरिक खेलों को बढ़ावा देने और छत्तीसगढ़ के पारंपरिक खेलों को वैश्विक पहचान दिलाने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निर्देश पर प्रदेश के साथ सूरजपुर जिले में भी छत्तीसगढ़िया ओलंपिक का आयोजन किया गया। जिसमें बच्चे-बूढ़े सभी प्रतिभागी ने भाग लेकर अपनी प्रतिभा का जौहर दिखाकर सभी का दिल जीत लिया।

सूरजपुर जिला मुख्यालय में चल रहे छत्तीसगढ़िया ओलंपिक में जिले के सभी विकासखण्डों एवं नगरीय निकाय से सभी आयुवर्ग के प्रतिभागियों ने शामिल होकर अपनी कला एवं प्रतिभा का प्रदर्शन किया। स्कूल शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम जिला स्तरीय छत्तीसगढ़िया ओलंपिक समापन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल हुए। उन्होंने सभी खिलाड़ियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। डॉ. टेकाम ने कहा कि छत्तीसगढ़िया ओलंपिक मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल की अभिनव पहल है। इसमें सभी छोटे, बड़े, बुजुर्ग खेल में शामिल हुए। छत्तीसगढ़िया ओलंपिक भाईचारा, प्रेम के साथ भेदभाव भूलाकर एकता का संदेश देता है। मंत्री डॉ. टेकाम ने कहा कि छत्तीसगढ़िया ओलंपिक खेल प्रतियोगिता का उद्देश्य छत्तीसगढ़ में विलुप्त हो रहे पारंपरिक खेलों को आने वाली पीढ़ी को जानकारी देना है। इसके साथ ही संस्कृति को पुनर्जीवित करने के लिए एवं युवाओं को प्रतिभा को निखारने का अवसर प्रदान करना भी है। प्रतियोगिता के माध्यम से सभी ने इस खेल के महत्व को समझा। डॉ. टेकाम ने नर्तक दल को स्वेच्छा अनुदान मद से पांच-पांच हजार रुपए प्रदान करने की घोषणा की। इस दौरान पारंपारिक करमा नृत्य, सुआ नृत्य आदि पारंपरिक को देखकर डॉ. टेकाम मांदर की थाप पर थिरके तथा नर्तक दल के साथ लोक नृत्य का आनंद उठाया।

जिला स्तरीय छत्तीसगढ़िया ओलंपिक एवं युवा महोत्सव में छत्तीसगढ़ की पारंपरिक नृत्य एवं पारंपारिक खेल भंवरा,कंचा और पिट्ठुल, खो-खो, कबड्डी, फुगड़ी, करमा,सुआ जैसे पारंपरिक लोकगीत ने सबका दिल मोह लिया सभी ने खूब आनंद लिया।

कार्यक्रम के दौरान स्कूल शिक्षा मंत्री भी उन्होंने छत्तीसगढ़ की पारंपरिक नृत्य एवं पारंपारिक खेल भंवरा, कंचा और पिट्ठुल, खो-खो, कबड्डी, फुगड़ी, करमा,सुआ जैसे पारंपरिक उत्कृष्ट खेल एवं विजेता टीम को मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया। इस दौरान कलेक्टर सुश्री इफ्फत आरा, पुलिस अधीक्षक राम कृष्णा साहू सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, प्रतिभागी खिलाड़ी एवं अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

इन्द्रावती टायगर रिजर्व में मिला एक और बाघः बाघों की कुल संख्या अब छः

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर । इन्द्रावती टायगर रिजर्व बीजापुर में बाघों की कुल संख्या अब 5 से बढ़कर 6 हो गई है। यहां लगाए गए ट्रेप कैमरा में इन्द्रावती टायगर रिजर्व के अंतर्गत विगत दिवस एक बाघ का फोटोग्राफप्राप्त हुआ। इसे डब्ल्यू आई आई टायगर सेल देहरादून द्वारा नये बाघ के रूप में पुष्टि की गई है।

गौरतलब है कि राज्य में वन मंत्री मोहम्मद अकबर के कुशल मार्गदर्शन में विभाग द्वारा वन्यजीव संरक्षण के प्रति जागरूकता लाने के लिए लोगों के साथ मिलकर वन्यजीव संरक्षण का कार्य लगातार किया जा रहा है।

इन्द्रावती टायगर रिजर्व बाघों के रहवास के लिए उपयुक्त स्थल है, जहां बाघ के अलावा अन्य वन्यजीव भी निवास करते हैं। जिसमें मुख्य रूप से वन भैंसा के साथ ही गौर, तेन्दुआ, भालू, नीलगाय, हिरण, सांभर, जंगली सुअर इत्यादि वन्यप्राणियों का भी यह रहवास स्थल है। छत्तीसगढ़ का इन्द्रावती टायगर रिजर्व 2799.086 वर्ग कि.मी. के भौगोलिक क्षेत्र में फैला हुआ है, जो महाराष्ट्र एवं तेलंगाना के वनक्षेत्र से लगा हुआ है। यह बाघों के विचरण के लिए उपयुक्त कॉरिडोर का काम करता है। इन्द्रावती टायगर रिजर्व प्रबंधन वन्यजीवों की मॉनिटरिंग एवं सुरक्षा का कार्य लगातार कर रहा है। साथ ही मैदानी अमलों द्वारा फुट पेट्रोलिंग के माध्यम से लगातार वन्यजीवों की सुरक्षा एवं निगरानी की जा रही है। उल्लेखनीय है कि इन्द्रावती टायगर रिजर्व बीजापुर के अंतर्गत ही हाल में ग्राम परिक्षेत्र मददेड़ बफर के अन्तर्गत ग्राम चेरपल्ली में तेन्दुआ के दो शावक पाए गए थे। तेन्दुए के दोनों शावकों को वर्तमान में जंगल सफारी (जू) रायपुर में रखा गया है।

विद्यार्थियों को मिला जीवन कौशल पर प्रशिक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

धमतरी। विद्यार्थियों में जीवन कौशल की शिक्षा देकर उनमें निर्णय लेने की क्षमता का विकास किया जाए के उद्देश्य को लेकर भोपाल राव पवार शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज धमतरी के छात्र छात्राओं के लिए जीवन कौशल (लाइफ स्किल) पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस सम्बन्ध में नोडल अधिकारी डॉ जे एस खालसा बताया: विद्यार्थियों में मानसिक तनाव को कम करने और स्वस्थ जीवन शैली अपनाने के लिए मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम विद्यालय में जीवन कौशल अपनाकर मानसिक तनाव को कम करने से संबंधित कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस मौके पर मेडिकल ऑफिसर डॉक्टर रचना पद्मावर ने बताया: जीवन में मानसिक दबाव को कम करने के लिए जीवन कौशल के विषय पर विद्यार्थियों की समझ को बढ़ाना है विद्यार्थी जीवन तनाव से भरा रहता है भविष्य की संभावनाओं को लेकर मन में उथल-पुथल होती रहती है जीवन कौशल के गुणों को अपनाकर हम अपने मस्तिष्क में आ रही नकारात्मक ऊर्जा को खत्म कर सकते हैं।

Y Fitness
• Gym Servicing
• Gym Equipment & Accessories Available
• Home Treadmill & Gym Service Available
start 17500/-
Bajaj Finance Available
Shop No. 10, 14, Block, Street No.-7 Dakshin gangotri, Supela, Bhilai Chhattisgarh
Facebook id - Protein Planet Bhilai
9098981555

SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास खबर

जमीन अपने नाम कराना चाहता था युवक, राजी नहीं हुआ पिता तो डंडे से पीट-पीटकर की हत्या, आरोपी गिरफ्तार

गरियाबंद। जमीन नाम पर नहीं लिखने पर युवक ने अपने ही पिता की डंडे से पीट-पीटकर हत्या कर दी। घटना के बाद आरोपी फरार हो गया था। शिकायत मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा के बाद पीएम के लिए भेज दिया। इधर पुलिस ने आरोपी को ओड़िशा से गिरफ्तार कर लिया है।

मिली जानकारी के अनुसार मोंगरा निवासी ठग्गुराम नागवंशी (55) का उसके छोटे बेटे यशवंत नागवंशी (27) से जमीन का विवाद चल रहा था। पुलिस ने बताया कि यशवंत नागवंशी (27) शनिवार को सुबह घर पहुंचा पिता से विवाद करने लगा। दरअसल यशवंत को अपने पिता के पास मौजूद 10 एकड़ जमीन में से अपना हिस्सा चाहिए था। लेकिन इसके लिए पिता राजी नहीं हो रहा था। इसी विवाद में उसने पिता को डंडे से इतनी बुरी तरह से पीटा कि उसकी मौत हो गई।

हत्या की सूचना शनिवार को पुलिस के पास पहुंची। शुरूआती जांच व परिजनों के बयान के आधार पर यशवत नागवंशी की तलाश शुरू की गई। जांच के दौरान पता चला कि आरोपी ओड़िशा के चुरकीदादर क्षेत्र में रहकर काम करता है। इसके बाद पुलिस की एक टीम ने चुरकीदादर पहुंची। यहां के नुआपाडा जंगल आरोपी यशवंत पुलिस की पकड़ में आ गया। पुलिस आरोपी को गिरफ्तार कर लाई और सोमवार को उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया।

भाई घर में घुसकर मेरी पत्नी को छेड़ रहा था साहब, ये मुझसे बर्दाश्त नहीं हुआ इसलिए मार दिया

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही। जीपीएम जिले में एक युवक ने शराब के नशे में मर्यादा लांघते हुए अपने ही भाभी को छेड़ दिया। युवक यही नहीं रूका उसने नशे में भतीजी को गंदी-गंदी गालियां भी दी। इस घटना की जानकारी मिलते ही बड़ा भाई आगबबूला हो गया और उसने युवक को अधमरा होने तक पीट दिया। बुरी तरह घायल युवक ने भाई की पिटाई से दम तोड़ दिया। गौरेला पुलिस ने हत्या के आरोप में बड़े भाई को रविवार देर शाम गिरफ्तार कर लिया। आरोपी ने जुर्म कबूल करते हुए कहा कि भाई मेरी पत्नी को छेड़ रहा था इसलिए उसे मार दिया।

भाभी के साथ कर रहा था अश्लील हरकतमिली जानकारी के अनुसार चुक्तिपानी निवासी संतराम यादव (45) रोज की तरह शुक्रवार को भी जंगल में गाय चराने गया था। उस वक्त उसकी पत्नी और बेटी घर पर अकेले थे। संतराम का छोटा भाई गणेश यादव(40) शराब के नशे में घर में घुस गया और अपनी भाभी को छेडने् लगा। गणेश ने अपनी भाभी के साथ अश्लील हरकत की और अपनी भतीजी को गालियां दी। बेटी ने फोन कर पिता को इसकी जानकारी दी जिसके बाद पिता ने गुस्से में अपने ही छोटे भाई पर लाठी से ताबड़तोड़ वार कर दिया।

पिकनिक मनाने जा रहे 3 दोस्त को ट्रेलर ने कुचला, 1 की मौत, 2 घायल

बिलासपुर (ए)। प्रदेश में सड़क दुर्घटना थमने का नाम नहीं ले रही है। जिले में बाइक चालक को ट्रेलर ने जबरदस्त टक्कर मारी है। एक की मौत हो गई है। जबकि दो लोग घायल बताए जा रहे हैं। बाइक पर ड्राइवर सहित 3 लोग सवार थे। घटना के बाद ट्रेलर चालक फरार हो गया है। बताया जा रहा है कि बाइक पर सवार होकर तीनों युवक पिकनिक मनाने खूंटाघाट डैम जा रहे थे, तो पीछे से आ रही अज्ञात ट्रेलर ने पल्सर सवार युवकों को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि जांजगीर निवासी उमेश पटेल का भेजा बाहर आ गया। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं सनी गुप्ता और राहुल साहू निवासी न्यू सरकंडा बिलासपुर को गंभीर चोट आई है, जिन्हें उपचार के भेज दिया गया है।

चोर ने घर के लोगों को कमरों में किया बंद, फिर अलमारी का कैश लेकर हो गया फरार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। पुरानी भिलाई थाना क्षेत्र में चोरों ने एक मकान में धावा बोला और घर के लोगों को उनके कमरे में बंद किया और अलमारी से ढाई लाख से भी ज्यादा कैश लेकर फरार हो गए। दरअसल जब चोर घर में घुसे तो घर वाले अपने-अपने कमरों में सोने चले गए। चोर आए और उनके कमरों को बाहर से बंद किया और अलग कमरे में रखे अलमारी का लॉकर तोड़ कर कैश पार कर लिया। पुरानी भिलाई पुलिस ने इस मामले में अज्ञात के खिलाफधारा 457, 380 के तहत अपराध दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है।

मिली जानकारी के अनुसार शीतला पारा भिलाई 3 निवासी नोहर सिंह देवांगन सेवा निवृत्त शिक्षक है। वह यहां अपने छोटे बेटे व पत्नी के साथ रहता है। 27 नवंबर को वह सिमगा रिश्तेदार के यहां शादी में गया था। शादी में उसका बड़ा बेटा भी पहुंचा था जो कि कोरबा में रहता है। रात को दोनों भिलाई तीन अपने घर पहुंचे और सो गए। मेनगेट की कुंडी खराब होने से दरवाजा में बाहर से ताला लगाकर सभी अपने अपने कमरे में सो गए।

मंगलवार की सुबह करीब 5 बजे उठे तो सभी कमरे का कुंडी बाहर से किसी ने बंद कर दी थी। काफी देर खटखटाने पर भी खुल नहीं थी। दूसरे कमरे में नोहर का छोटा बेटा सोया था वह किसी तरह से अपने कमरे का दरवाजा खोलकर अपने माता पिता की कमरे का दरवाजा भी खोला। इसके बाद इन लोगों ने देखा कि जिस कमरे में अलमारी रखी हुई थी वहां सामान बिखरा हुआ है और लॉकर से कैश गायब है।

नोहर सिंह ने अपनी शिकायत में बताया अलमारी में 50 रुपए के नोट का 18 बंडल 90000 रुपए, 100 रुपए के नोट का 10 बंडल 100000 रुपए, 20 रुपए नोट का 04 बंडल 8000 रुपए, 10 रुपए के नोट के 04 बंडल 4000 रुपए, खुला नोट 500 रुपए के 85 नोट 42500 रुपए, 50 रुपए के 80 नोट 4000 रुपए, 100 रुपए के 90 नग नोट 9000 रुपए रखे हुए थे। चोर ने कुल 257500 रुपए को चोरी कर ले गया। फिलहाल इस मामले में पुलिस ने अपराध दर्ज कर अज्ञात चोर की तलाश शुरू कर दी है।

अपहरण के बाद नाबालिग से दुष्कर्म जबरन उठा ले गया था आरोपी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग जिले के नंदिनी नगर पुलिस ने नाबालिग का अपहरण के बाद रेप करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी नाबालिग को बहला फुसलाकर जबरिया अपने घर ले गया और वहां पर शादी करने का भरोसा दिलाकर उससे दुष्कर्म किया। इस मामले परिजनों की शिकायत के बाद पुलिस ने जांच शुरू की और तीन दिन में नाबालिग को आरोपी के चंगुल से छुड़ाया।

मिली जानकारी के अनुसार 23 नवंबर को नाबालिक को पिटौरा निवासी राजू ठाकुर बहला फुसलाकर अपने साथ ले गया। वह नाबालिग को अपने गांव पिटौरा ले गया और वहां पर शादी करने का भरोसा दिलाकर उससे दुष्कर्म किया। बेटी के लापता होने पर परिजनों ने नंदिनी थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। इसके बाद पुलिस को आरोपी का सुराग मिला और लगातार उसका लोकेशन ट्रेस करने का प्रयास कर रही थी। आरोपी बार बार अपना लोकेशन बदल रहा था। रविवार को आरोपी रालू ठाकुर का लोकेशन ट्रेस हुआ और उसे घेराबंदी कर पकड़ा गया। आरोपी के चंगुल से नाबालिग को छुड़ाकर परिजनों के हवाले किया गया है। वहीं आरोपी राजू ठाकुर के खिलाफ धारा 366,376 (2) (एन) भादवि 56 पास्को एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है।

नल कनेक्शन का सर्वे करने पहुंचे और घर से पार कर दिए लाखों के जेवर, केस दर्ज कर तलाश में जुटी पुलिस

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नंदिनी थाना क्षेत्र के अंतर्गत ढौर गांव में एक किसान के घर चोरी का चौंकाने वाला मामला सामने आया है। किसान नल जल योजना के तहत नल कनेक्शन लगवाना चाहता था इसके लिए इंजीनियर के साथ गांव के स्कूल गया हुआ था। इसके पीछे किसान के घर दो युवक नल कनेक्शन के सर्वे के नाम पर पहुंचे और घर से लाखों के जेवर चुरा कर रफूचक्कर हो गए। किसान जब घर लौटा तो घर की अलमारी का हाल देख चौंक गया। इसके बाद आंगन में बैठी मां से पूछने पूरा माजरा पता चला। इस मामले में शिकायत दर्ज होने के बाद नंदिनी पुलिस आरोपियों की तलाश में जुट गई है।

नंदिनी पुलिस ने बताया कि ढौर निवासी अजय कुमार मढ़रिया नल जल योजना के संबध में बात करने इंजीनियर के साथ गांव के स्कूल गया था। इस दौरान उसकी मां घर पर अकेली थी उसकी पत्नि व बच्चे मायके गए हुए थे। घटना 25 नवंबर की है। दोपहर बाद 3.30 बजे किसान जब घर वापस आकर अपने कमरे में गया तो देखा कि आलमारी का दरवाजा व लाकर भी खुला हुआ था। आलमारी में रखे सोने का लक्ष्मी हार, सोने का गले का हार, सोने की फुल्ली, सोने का अगुठी आदि चुरा कर ले गए।

मां ने बताया नल कनेक्शन का सर्वे के लिए आए थे दो युवक

जब किसान ने अपनी मां से पूछा कि घर में कौन घुसा था तो उसने बताया कि दो युवक आए थे और नल कनेक्षन का सर्वे करने की बात कही। इस दौरान एक युवक किसान की मां से बातचीत कर रहा था और दूसरा युवक घर के अंदर जाकर अलमारी साफ कर दी। इसके बाद किसान की पत्नी जब घर पहुंची और चोरी हुए सामान की गणना की और थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। फिलहाल पुलिस आरोपियों की तलाश में जुट गई।

65 साल के बुजुर्ग ने की अपनी पत्नी की हत्या, कुछ ही घंटों में हुआ आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर। जिले के सन्ना थाना क्षेत्र में एक बुजुर्ग ने अपनी पत्नी की हत्या कर दी। पत्नी की हत्या की वजह भी बेहद मामली है। रविवार की रात को हुए विवाद के बाद बुजुर्ग ने घर पर रखी टंगिया से वार कर दिया जिससे उसकी मौत हो गई। दूसरे दिन सोमवार को आसपास के लोगों को इसकी जानकारी मिली तो पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को बरामद किया और आरोपी बुजुर्ग को गिरफ्तार कर लिया है।

सन्ना पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार ग्राम हर्रापाठ निवासी चमरी बाई कोरवा की उसके पति किशना उर्फ कृष्णा राम कोरवा (65) ने हत्या कर दी। जांच के दौरान पता चला कि किशना अपनी पत्नी चमरी बाई के साथ ग्राम हर्रापाठ में रह रहा था। रविवार की रात को घर पहुंचने पर किशना का अपनी पत्नी से किसी बात को लेकर विवाद हो गया। इस पर उसकी पत्नी चमरी बाई ने उससे कहा कि यह घर मेरा है और इस घर से निकल जाओ। इस पर बुजुर्ग ने कहा कि रात को कहा जाऊंगा। विवाद बढ़ा तो किशना ने चमरी बाई को घर पर रखी टंगिया से मारकर हत्या कर दी।

पुलिस ने इस मामले में आरोपी किशना को गिरफ्तार को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। इस पूरी कार्रवाई में सन्ना थाना प्रभारी निरीक्षक भरतलाल साहू, सहायक उप निरीक्षक कृष्णाराम साहू, प्रधान आरक्षक विरेन्द्र सनमानी, आरक्षक बूटा सिंह, आरक्षक उमेश भारद्वाज, शिवशंकर राम, संदीप एक्का व अन्य हमराह स्टॉफ का विशेष योगदान रहा है।

पत्नी ने पति की गला दबाकर की हत्या शव के हाथ-पैर बांधकर फेंक दिया कुएं में

जांजगीर-चांपा। अपने पति के निकम्मेपन से तंग आकर एक पत्नी ने उसकी हत्या कर दी। अपने बेटों के साथ लाश को ठिकाने लगाने का फिल्मी तरीका भी अपनाया। आरोपी पत्नी ने अपने नाबालिग बेटों के साथ मिलकर पति के लाश के हाथ-पांव बांधकर गांव के बाहर के पुराने कुएं में फेंक दिया। दो दिन चली जांच के बाद पुलिस ने महिला से हत्या का राज उगलवा लिया। यह दिलदहला देने वाली घटना नगरदा थाना क्षेत्र के ग्राम बुढनूपुर की है।

पुलिस के अनुसार बुढनूपुर निवासी भंवर लाल सिंह कंवर, पिता दूजेराम (55) 22 सितंबर से लापता था। 23 नवंबर को उसका शव गांव के बाहर एक अनुपयोगी कुएं में मिला। घटना की खबर पाकर गांव में सनसनी फैल गई। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर जांच की तो पता चला कि भंवरलाल की गला दबाकर हत्या की गई है। पुलिस ने उसके परिजनों से पूछताछ की तो पूरे मामले का खुलासा हुआ।

पुलिस ने जांच पड़ताल की तो मृतक की पत्नी ने बताया कि भंवर लाल कमाना खाना बंद कर दिया था। जिसके चलते घर में कलह का माहौल था। भंवर लाल आए दिन वाद विवाद करता था। जिसके चलते घर में विवाद की स्थिति निर्मित होती थी। जिसके चलते भंवर लाल की पत्नी ने भूरी बाई ने अपने नाबालिग बेटों के साथ मिलकर भंवर लाल का गला दबा दिया और शव को हाथ पांव को रस्सी में बांधकर गांव के बाहर जाकर अनुपयोगी कुएं में फेंक दिया। पुलिस ने शनिवार को भंवर लाल की पत्नी भूरी बाई व उसके नाबालिग बेटे को धारा 302 के तहत गिरफ्तार किया और न्यायिक रिमांड में भेज दिया। हत्या की गुत्थी सुलझाने में नगरदा थाना प्रभारी सीपी कंवर सहित उनकी टीम का योगदान रहा।

खरीदारी के लिए बाजार आए व्यापारी के थैले से 82 हजार रुपए पार

बिलासपुर (ए)। रतनपुर के सराफा व्यापारी बैंक से रुपए निकालने के बाद बस से बिलासपुर पहुंचे। सदर बाजार आने पर पता चला कि थैले से 82 हजार र्स्पये गायब हैं। व्यापारी की शिकायत पर कोतवाली पुलिस ने जुर्म दर्ज कर लिया है। चोरों की तलाश के लिए अलग-अलग जगहों से सीसीटीवी का फुटेज लिए जा रहे हैं।

रतनपुर के बड़ी बाजार में रहने वाले रामकुमार ताम्रकार कपड़े और गहनों के व्यापारी हैं। सोमवार की सुबह वे बैंक गए। यहां पर उन्होंने खरीदारी के लिए रुपए निकाले। इसके बाद वे दोपहर तीन बजे रुपए लेकर रतनपुर से बस में नेहरू चौक तक आए। सिम्स चौक जाने के लिए नेहरू चौक से आटो लिया। रास्ते में देवकीनंदन चौक में दो महिलाएं भी आटो में सवार हुईं। सिम्स चौक में आटो से उतरने के बाद सदर बाजार स्थित एक सराफा दुकान गए। वहां उन्होंने रुपए देने थे। इसके लिए थैला खोला तो र्स्पये गायब थे। उन्होंने ज्वेलरी शाप के संचालक को इसकी जानकारी दी। इसके बाद कोतवाली थाने पहुंचकर मामले की शिकायत की। थैले से र्स्पये गायब होने की जानकारी मिलते ही कोतवाली पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है।

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

दुल्हन बैंगल्स & फैंसी
RUPESH KUMAR
Mob.-9840760388
7987759030
Specialist : Wedding mix match bangles, Glass bangle, Plastic bangle. Saree pin, Bindi, Rubber Band. Bracelet, Butter Fly, Ear ring and many more
कृष्णा टाकिज रोड, विजय भवन के पास, रिसाली, भिलाई
जलाराम मिष्ठान के सामने, इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले, पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई,
फोन. 2284508, मो. 9826137766

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. _- 82349 - 21000

माँ दुर्गा ज्वेलर्स
सोने एवं चांदी के आभूषणों विक्रेता
उचित ब्याज में गिरवी रखी जाती है
शॉप नं. 69, सी-मार्केट
सेक्टर-6, भिलाई
मो. 9424124911

भारतीय बैग हाउस
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

खास - खबर

आईटीआई दुर्ग में मनाया गया संविधान दिवस

दुर्ग। शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था, दुर्ग में 26 नवंबर को संविधान दिवस धूम-धाम से मनाया गया। भारत - लोकतंत्र की जननी विषय पर प्रशिक्षणार्थीयों द्वारा भाषण, गीत और कविता प्रस्तुत किया गया। उक्त कार्यक्रम में मंच संचालन का कार्य ब्रजेश जांगडे, प्रशिक्षण अधिकारी द्वारा प्रारंभ किया गया। ए.ए. मंसूरी, कार्यक्रम प्रभारी द्वारा संविधान की उद्देशिका का पठन पाठन सम्पन्न कराया गया। इस अवसर पर संस्था के प्रशिक्षण अधिकारी सुखैन कुमार ठाकुर द्वारा संविधान विषय पर गीत प्रस्तुत किया गया। अनिल कुमार टेम्भेकर, प्राचार्य द्वारा डॉ. भीमराव अबेंडकर के भारत के संविधान निर्माण के समय होने वाली परेशानियों एवं उनका निराकरण के विषय में जानकारी दी गई एवं भारत एक लोकतंत्र की जननी विषय पर गीत प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागी प्रशिक्षणर्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में संस्था के श्रीमती पुष्पा देवांगन, श्रीमती कमलेश्वरी साहू, श्रीमती तृप्ति वर्मा, जगमोहन सिन्हा, एस. के. वास्तव, पुष्पेन्द्र सिंह, लुपेश कुर्रे, अशोंक दिल्लीवार, क्रांति कुमार क्षत्री, देवी लाल साहू, मनीष तिवारी प्रशिक्षण अधिकारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

मृतक के परिजन को मिली 4 लाख रुपए की आर्थिक सहायता

दुर्ग। ग्राम धनोरा, तह. व जिला दुर्ग, निवासी स्व. लच्छीराम साहू एवं ग्राम रिसामा, वार्ड नं. 19, तह. व जिला दुर्ग, निवासी स्व. रमोतिन बाई निर्मलकर की दुर्घटना में मृत्यु हुई थी। जिसके लिए छत्तीसगढ़ शासन सामान्य प्रशासन के प्रावधानों के अनुरूप मृतक स्व. लच्छीराम साहू के पुत्र नरसिंह साहू एवं स्व. रमोतिन बाई निर्मलकर के पुत्र गणेश्वर प्रसाद को 4 लाख रूपए की आर्थिक सहायता राशि संयुक्त कलेक्टर दुर्ग द्वारा स्वीकृत की गई है।

विकासखण्ड स्तरीय युवा उत्सव का आयोजन 7 दिसंबर को

दुर्ग। खेल एंव युवा कल्याण विभाग द्वारा विकासखण्ड स्तरीय युवा उत्सव आयोजन किया जा रहा है। पाटन विकासखण्ड स्तरीय युवा उत्सव 07 दिसम्बर 2022 को शा.उ.मा.शाला सेलूद में प्रातः 8 बजे से विकासखण्ड पाटन मे होगा। युवा उत्सव में सास्कृतिक कार्यक्रम के साथ-साथ खो-खो, कबड्डी एवं कुश्ती खेल शामिल है। युवा उत्सव में के अंतर्गत लोकनृत्य, लोकगीत, एकांकी नाटक, शास्त्री गायन हिन्दुस्तानी शैली, शास्त्री गायन कर्नाटक शैली, सितार वादन, बांसुरी वादन, तबला वादन, वीणा वादन, मृदंगम वादन, हारमोनियम वादन (सुगम वादन), गिटार वादन, मणीपुरी (शास्त्रीय नृत्य), उड़ीसी, भरतनाट्य, कत्थक, कुचीपुडी, वक्तृत्व कला, आयोजन में 15 से 40 आयु वर्ग एवं 40 से ऊपर दो आयु वर्गों के प्रतिभागी भाग ले सकेगे आयोजन ओपन स्तर का होगा विकासखण्ड स्पर्धा में चयनित प्रतिभागी जिला स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेंगे। उपरोक्त विधाओं के अतिरिक्त 1 सुआ, 2 पंथी, 3 करमा नाचा, 4 सरहुल नाचा, 5 बस्तरिहा लोकनृत्य (ज्तपइंस कंदबम), 13 6 राउत नाचा, 7 फुगड़ी, 8 भौंरा, 9 गेडी दौड़, 10 रॉक बैंड,11 पारम्परिक वेशभूषा, 14 वाद-विवाद, 15 चिज 16 निबंध, 17 कबड्डी, 18 खो-खो 19 कुश्ती 20 मुख्यमंत्री के द्वारा की गई घोषणानुसार राज्य के लोक साहित्य को भी शामिल किया जाना है।

ईएसआईसी सुविधा से वंचित माइंस क्षेत्र के ठेका श्रमिकों व उनके परिजनों को मिलेगी मेडिकल सुविधा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र ठेका श्रमिकों के कल्याणार्थ समय-समय पर विभिन्न सुविधाएं प्रदान करती आ रही है। संयंत्र में कार्यरत ठेका श्रमिकों को ईएसआईसी सुविधा के तहत स्वास्थ्य सुविधाएं पहले से ही उपलब्ध है। संयंत्र में कार्यरत इन ठेका श्रमिकों को ईएसआईसी के डिस्पेंसरीज तथा ईएसआईसी के टाई-अप अस्पतालों में नि:षुल्क चिकित्सा उपलब्ध है। परन्तु संयंत्र के माइंस क्षेत्रों में ईएसआईसी की सुविधा नहीं होने के कारण माइंस के ठेका श्रमिकों को ईएसआईसी के अस्पतालों में चिकित्सा सुविधा नहीं मिल पा रही थी।

इसको ध्यान में रखते हुए माइंस क्षेत्र में कार्यरत ठेका श्रमिकों के लिए बीएसपी प्रबंधन ने एक नई पहल प्रारंभ की है। संयंत्र टाउनषिप, प्रोजेक्ट एरिया में काम करने वाले ठेका श्रमिक जो भिलाई नगर निगम के क्षेत्रों में निवासरत हैं उनके लिए ईएसआईसी के प्रावधान लागू हैं। इसके अंतर्गत सम्बन्धित ठेकेदार द्वारा श्रमिकों के मासिक वेतन की 3.25 प्रतिषत राषि तथा श्रमिकों द्वारा अपने वेतन की 0.75 प्रतिषत राषि ईएसआईसी को दी जाती है। एवज में श्रमिकों तथा उनके पात्र आश्रितों को ईएसआईसी के डिस्पेंसरीज में मुफ्त चिकित्सा सुविधा मुहैया कराई जाती है साथ ही साथ रिफरल की सुविधा (ईएसआईसी के टाई-अप अस्पतालों में) भी मुहैया भी कराई जाती है। विदित हो कि संवैधानिक प्रावधानों के तहत संयंत्र के माइंस क्षेत्र में ईएसआईसी की सुविधा उपलब्ध नहीं होने के चलते खदान क्षेत्र के ठेका श्रमिक तथा उनके परिजन मेडिकल सुविधा से वंचित थे। एक संवदेनषील संस्थान के रूप में बीएसपी ने माइंस क्षेत्र के ठेका श्रमिकों की इस असुविधा को देखते हुए इस समस्या के समुचित समाधान हेतु पहल प्रारंभ करते हुए राजहरा व नंदिनी माइंस में कार्यरत ठेका श्रमिकों को बेहतर स्वास्थ्य सेवा देने के लिए स्थानीय अस्पतालों के साथ ओपीडी सुविधा प्रदान करने हेतु अस्पतालों का चयनित किया गया है। माइंस क्षेत्र में ईएसआईसी के प्रावधान लागू न होने के बावजूद भी इन्हें चिकित्सकीय लाभ प्राप्त हो सके। इस संदर्भ में ज्ञात हो कि ईएसआईसी सुविधा संवैधानिक प्रावधानों के तहत खदान क्षेत्र में उपलब्ध नहीं है। अत: खदान क्षेत्रों में कार्य करने वाले श्रमिक चिकित्सा सुविधा से वंचित रहते थे। इस समस्या के समाधान की दिशा में एक पहल की गई है जिसके अंतर्गत ठेकेदार द्वारा श्रमिकों के मासिक वेतन की 3.25 प्रतिषत राषि के बराबर एक मद तैयार कर उसका उपयोग खदान क्षेत्र के चयनित अस्पतालों में स्वयं तथा आश्रितों (जिनका नाम राषन कार्ड में दर्ज है) को केवल ओपीडी सुविधा प्रदान करने के लिए किया जायेगा। यदि किसी श्रमिक को आईपीडी ट्रीटमेंट की जरूरत होगी तो उन्हें आयुष्मान कार्ड (पीएमजेएवाई) योजना के अंतर्गत चयनित अस्पतालों के द्वारा रेफर किया जायेगा। इलाज का खर्च भिलाई इस्पात संयंत्र वहन नहीं करेगी। इसी क्रम में लौह अयस्क समूह, राजहरा में सकारात्मक पहल के रूप में कार्यरत ठेका श्रमिकों जो ईएसआईसी की सुविधा से वंचित थे उन्हें चिकित्सा सुविधा देने हेतु दल्ली राजहरा के शहीद अस्पताल व ज्योति अस्पताल के साथ समझौता संपन्न हुआ। इसी प्रकार का समझौता नंदिनी माइंस में भी किया गया है। इस प्रकार माइंस क्षेत्र में ईएसआईसी सुविधा लागू नहीं होने के कारण यहां के ठेका श्रमिकों को होने वाली असुविधा से निजात पाने हेतु एक सकारात्मक प्रयास किया गया है।

हुडको मार्केट से निगम की टीम ने जेसीबी चलाकर हटाया कब्जा

भिलाई। जोन क्रमांक 05 क्षेत्र में निगम के राजस्व विभाग की टीम ने हुडको क्षेत्र में बैक लाइन पर कब्जा कर अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध बेदखली की कार्यवाही किये। निगम क्षेत्र में शासकीय भूमि/निगम की खाली जमीन पर अतिक्रमण, बिना अनुमति के निर्माण तथा अवैध कब्जा पर कार्रवाई करने निगम आयुक्त रोहित व्यास सख्त निर्देश दिए हैं, ऐसे अनाधिकृत कार्य करने वालों कार्यवाही करने विशेष दस्ते का गठन किया गया है, विशेष दस्ता ऐसे किसी प्रकरण की शिकायत या सूचना मिलने पर त्वरित कार्यवाही कर रहे है। जोन 05 के सहायक राजस्व अधिकारी मलखानसिंह सोरी ने बताया कि हुडको बी मार्केट में अतिक्रमण की शिकायत कलेक्टर जनचौपाल में लगाई गई थी, जिस पर कार्रवाई करने तोड़फोड़ की टीम हुडको पहुँची जहां बी मार्केट में शॉप न 14, 18, 19, 20 व 24 के व्यापारियों ने अतिरिक्त कक्ष निर्माण कर कब्जा कर लिए जिससे कई तरह की परेशानी हो रही थी, अतिक्रमण को जेसीबी के माध्यम तोड़कर ध्वस्त किया गया ।

खुर्सीपार पहुंचे श्रीराम जन्मोत्सव समिति के युवा विंग अध्यक्ष मनीष पाण्डेय, वार्डों में घूमकर देखी लोगों की समस्या

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। श्रीराम जन्मोत्सव समिति भिलाई के युवा विंग अध्यक्ष मनीष पाण्डेय ने आज खुर्सीपार, बापूनगर क्षेत्र का दौरा किया। इस दौरान स्थानीय लोगों से बातचीत की, जहां लोगों ने उन्हें दूषित पेयजल एवं सफाई संबंधी अव्यवस्था की जानकारी दी। लोगों ने बताया कि डायरिया के बढ़ते मामलों की वजह से क्षेत्र में भय का माहौल है, इसके बावजूद निगम प्रशासन द्वारा गंभीरता नहीं दिखाई जा रही है।

भिलाई नगर निगम क्षेत्र में डायरिया के बढ़ते प्रकोप के बीच श्रीराम जन्मोत्सव समिति के युवा विंग अध्यक्ष मनीष पाण्डेय ने आज खुर्सीपार, बापू नगर क्षेत्र का दौरा किया। आमजनों से भेंट के दौरान लोगों ने बताया कि यहां घरों में सप्लाई होने वाले पेयजल में जोंक, केंचुआ आदि जीवाणु पाये जा रहे हैं। साथ ही नाली या गलियों की सफाई भी नहीं की जा रही है। अधिकांश जगहों पर पेयजल की सप्लाई लाईन नाली के अंदर से होकर आती है, जिसकी वजह से घरों में दूषित पेयजल की आपूर्ति की जा रही है। इन सबके बावजूद निगम प्रशासन द्वारा इस विषय को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है जिसका खामियाजा आम आदमी को भुगतना पड़ रहा है। श्री पाण्डेय ने बताया कि डायरिया के बढ़ते मामलों से लोग परेशान और डरे हुए हैं। हम निगम प्रशासन से व्यवस्था को जल्द से जल्द दुरूस्त करने की मांग करते हैं। उन्होंने बताया कि विगत दिनों डायरिया से दो लोगों की मौत हो चुकी है वहीं बड़ी संख्या में लोग अस्पताल में भर्ती हो रहे हैं। ऐसे में निगम प्रशासन को इस विषय पर गंभीरता दिखाते हुए तत्काल व्यवस्था दुरूस्त करना चाहिये।

इस दौरान मुख्य रूप से लालचंद मौर्या, पार्षद सरिता बघेल, जयशंकर चौधरी, जोगिंदर शर्मा, प्रकाश यादव, रामप्रीत पासवान, धर्मेंद्र कुमार, धर्मेंद्र सिंह, श्याम, आदित्य टोपा, अजीत सिंह, श्रीनिवास राव, श्रीनू, शंकर केडिया, अतुल कुमार, गोल्डी सोनी, रेहान अहमद सहित बड़ी संख्या में समिति के पदाधिकारी एवं स्थानीय लोग उपस्थित थे।

17 डायरिया मरीजों की जांच जारी, चिकित्सा विभाग संक्रमण को लेकर सजग

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। भिलाई शहर के वृन्दानगर, जे.पी.नगर, शारदापारा और न्यू संतोषी पारा केम्प क्षेत्र के आसपास डायरिया (उल्टी,दस्त) फैल गया है। वर्तमान स्थिति को देखते हुए स्वयं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जे.पी. मेश्राम, डॉ. एस.के. मेश्राम, जिला स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण अधिकारी, डॉ. एस.के. जामगड़े, जिला नोडल अधिकारी, पद्माकर शिन्दे, जिला कार्यक्रम प्रबंधक, रितीका सोनवानी, जिला एपिडेमोलॉजिस्ट एवं चंदूलाल चंद्राकर मेडिकल कॉलेज, जिला दुर्ग के गठित टीम जिसमें मेडिसिन विशेषज्ञ, शिशुरोग विशेषज्ञ, कम्प्यूनिटी मेडिसिन विशेषज्ञ एवं माइक्रोबायलॉजिस्ट द्वारा क्षेत्र का भ्रमण कर यू.पी.एच.सी. बैकुंठधाम में पदस्थ चिकित्सा

अधिकारियों एवं समस्त कर्मचारियों को आवश्यक मार्गदर्शन दिया गया।

आज 28 नवबंर 2022 को जिला चिकित्सालय दुर्ग से स्टूल सैम्पल संकलित कर भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, रायपुर जॉंच हेतु भेजा गया। संक्रमित क्षेत्र की निगरानी के लिये शहरी कार्यक्रम प्रबंधक, भिलाई, खंड विस्तार प्रशिक्षण अधिकारी, सेक्टर पर्यवेक्षक, ए.एन.एम. और मितानिनों द्वारा 1840 घरों का सघन सर्वे किया गया। क्षेत्र में उल्टी-दस्त से पीड़ित मरीजों को 50 ओ.आर.एस., 98 जिंक टेबलेट एवं 6000 क्लोरिन टेबलेट वितरित किया गया एवं स्वास्थ्य शिक्षा दी गयी। संक्रमित क्षेत्र में मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना की एम्बुलेंस नियमित रूप से भ्रमण करते हुय मरीजों को दवाई एवं उचित स्वास्थ्य शिक्षा देते हुये स्वास्थ्य संस्थाओं तक भेजने के लिए प्रेरित करने का कार्य कर रही है। संक्रमित क्षेत्र में पर्याप्त दवाईयों का भंडारण किया गया एवं गंभीर मरीजों को हायर सेन्टर रिफर करने हेतु एम्बुलेंस की व्यवस्था की गयी। आज दिनांक 28.11.22 को जिले में 11 शासकीय एवं 06 निजी स्वास्थ्य संस्थाओं में कुल 17 डायरिया के प्रकरण मिले है। वर्तमान में स्थिति नियंत्रण में है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने आम जनता से अपील की है कि उल्टी दस्त होने पर बैंकुंठधाम को आपातकालीन सेवा कन्ट्रोल रूम बनाया गया है, जहॉं पर मेडिकल कॉलेज के चिकित्सा विशेषज्ञ, शिशुरोग विशेषज्ञ एवं अन्य स्टाफ की 24 घंटे ड्यूटी लगाया जाकर सेवायें दे रहें है। कन्ट्रोल रूम का दूरभाष नं. 0788-4230397 से संपर्क कर उचित सलाह एवं परामर्श ले सकते है। पानी उबालकर ठंडा कर पीये, खाने के वस्तुएं ढंककर रखे, बासी भोजन, सड़े-गले मॉंस मछली, सड़े-गले फल एवं सब्जियॉं उल्टी-दस्त की रोकथाम होने तक नही खायें एवं खाने से पहले एवं शौच के बाद साबुन एवं पानी से हाथ अवश्य धोये।

मुख्य मार्गों पर यातायात सुगम बनाएं लेकिन किसी की रोजी रोटी न उजाड़ें : वोरा

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। वरिष्ठ कांग्रेस विधायक अरुण वोरा ने नगर निगम के प्रशिक्षु आयुक्त लक्ष्मण तिवारी से कहा है कि शहर में अधूरे पड़े कार्यों को पूरा कराने पर विशेष ध्यान दें। ठगड़ा बांध पिकनिक स्पॉट, गौरवपथ और शिवनाथ मुक्तिधाम मार्ग जैसे कई कार्य काफी समय से आधे-अधूरे हैं।

इन कार्यों को प्राथमिकता से पूरा किया जाए। वोरा ने कहा कि इंदिरा मार्किट सहित स्टेशन रोड व अन्य स्थानों पर दुकानों के सामने अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के नाम पर व्यवसाइयों को परेशान न किया जाए। अनावश्यक जुर्माना वसूली न करें।

वोरा ने कहा कि शहर को सुंदर और व्यवस्थित बनाने की कोशिश होनी चाहिए। यह कार्य सर्वोच्च प्राथमिकता से होना चाहिए, लेकिन यह कार्य करने के लिए दुर्ग शहरवासियों को परेशान नहीं किया जाना चाहिए। अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई से पहले प्रेमपूर्वक समझाईश देकर और विश्वास में लेकर शहर की व्यवस्था बेहतर बनाई जा सकती है। वोरा ने कहा कि जिन विकास कार्यों के भूमिपूजन हो चुके हैं, उन सभी कार्यों को तत्काल शुरू कराया जाना चाहिए।

वोरा ने कहा कि कोरोना संकटकाल से उबरने के बाद बीते कुछ महीनों से लोगों के व्यवसाय शुरू हुए हैं। संकटकाल में उन्हें काफी आर्थिक नुकसान हुआ है। अब जुर्माना या तोड़फोड़ करने से उन्हें और आर्थिक नुकसान झेलना पड़ेगा। वोरा ने स्पष्ट कहा कि किसी भी परिस्थिति में व्यवसाइयों को परेशान न किया जाए।

जिला स्तरीय ओलंपिक खेलों का शानदार आगाज

ओलंपिक गांव पुरई में मेले जैसा रहा माहौल, छत्तीसगढ़िया खेलों का दिलचस्प रंग हर जगह दिखा

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। अपने तैराक खिलाड़ियों के लिए पूरे प्रदेश में चर्चित खेल गांव पुरई में आज जिला स्तरीय ओलंपिक खेलों का शानदार आगाज हुआ। 2400 खिलाड़ियों ने पुरई के खेल मैदान में 14 प्रकार के खेलों में हिस्सा लिया और इतिहास रच दिया। जिला स्तरीय ओलंपिक के लिए तैयार किये गये पुरई में खेलों के लिए इतना उत्साह था कि मेले जैसा माहौल वहां बन गया। आज ओलंपिक के पहले दिन यहां बच्चों की प्रतियोगिताएं हुईं। प्रतियोगिता की शुरुआत रस्सी खींच से हुई। इससे उत्साह काफी बढ़ गया और देर तक लोग इन खेलों को देखने उमड़ते रहे।

तालाब से शुरू कर स्विमिंग पुल के खिलाड़ियों को पीछे करने वालों का सम्मान- कार्यक्रम की मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती शालिनी रिवेंद्र यादव ने अपने संबोधन में कहा कि पुरई में यह खेल आयोजित किया गया है और यह पुरई के खिलाड़ियों का सम्मान भी है। यह उन खिलाड़ियों का सम्मान है जिन्होंने अपने तालाब में प्रैक्टिस की और कई प्रतियोगिताओं में स्विमिंग पुल में नियमित रूप से तैराकी का अभ्यास करने वाले खिलाड़ियों को भी पीछे छोड़ दिया। उन्होंने कहा कि अभी नेपाल में आयोजित प्रतिस्पर्धा में भी इन खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। अपनी खेल परंपरा को सहेजने सार्थक कदम- जिला स्तरीय ओलंपिक के आगाज के अवसर पर अपने संबोधन में नगर निगम भिलाई चरौदा के महापौर निर्मल कोसरे ने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार अपनी परंपराओं को सहेज रही हैं। अभी छत्तीसगढ़िया ओलंपिक के माध्यम से खेल परंपराओं को भी सहेजने की कोशिश की गई है। इन खेल के नियमों को भी लोग भूलते जा रहे थे। बरसों बाद लोगों ने इन्हें खेला और पुरानी सुंदर स्मृतियां लौट आईं। महापौर रिसाली श्रीमती शशि सिन्हा भी इस दौरान मौजूद रहीं। उन्होंने भी खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। गांवों में मेले जैसा माहौल- कलेक्टर पुष्पेंद्र कुमार मीणा ने अपने संबोधन में कहा कि छत्तीसगढ़िया ओलंपिक के पहले चरण में जब ग्रामीण क्षेत्रों में यह खेल हो रहे थे तब इनमें काफी भीड़ जुट रही थी। मैंने अपने दौरों में इसे महसूस किया कि जहां ग्रामीण ओलंपिक हो रहे थे वहां मेले जैसा माहौल था।

आज भी जिला स्तरीय खेल के आरंभ में जिस तरह का उत्साह दिख रहा है। उससे पता चलता है कि लोग कितने खुश हैं। राज्य सरकार की इस पहल से हमारी सुंदर खेल परंपराओं को सहेजने में मदद मिल रही है। बहुत से उम्रदराज लोगों ने अरसे बाद ग्रामीण खेलों में भाग लिया। उन्हें अपना बचपन याद आ गया। अपने स्थानीय खेलों को बढ़ाने की राज्य सरकार की पहल का बड़े उत्साह से स्वागत आम जनता ने किया है। जिला पंचायत सीईओ अश्विनी देवांगन ने खेल के इस भव्य आयोजन के लिए और सुव्यवस्थित रूप से खेल कराने के लिए प्रशासनिक अधिकारियों की प्रशंसा की। इस दौरान जिला शिक्षा अधिकारी अभय जायसवाल एवं जिला खेल अधिकारी विलियम लकड़ा भी मौजूद रहे।

गुरू शिष्य के मिलन से दुर्ग महातीर्थ बन गया हैं: सुयश सागर

गुरू-शिष्य के मिलन के अविस्मरणीय पल के हजारों धर्म प्रेमी बने साक्षी

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दुर्ग के शिवनाथ नदी तट स्थित दिगम्बर जैन समाज के नसिया तीर्थ में 1008 श्री चन्द्रप्रभ भगवान की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा के लिए 108 आचार्य विशुद्ध सागर महाराज का 27 मुनियों के साथ सोमवार को भव्य मंगल प्रवेश हुआ। इस अवसर पर गुरू विशुद्ध सागर महाराज व शिष्य सुयश सागर के मिलन के अविस्मरीणय पल के हजारों धर्मपेमी साक्षी बने।

अपरान्ह 4.30 बजे आचार्य विशुद्ध सागर महाराज पद्मनाभपुर मार्ग से होकर जैसे ही 27 मुनियों के साथ उतई टैम्पो स्टैण्ड स्थित मंच पर पहुंचे वैसे ही शिष्य सुयश सागर ने आसन पर विराजमान होने के बाद उनकी परिक्रमा की। इसके बाद चरण पखार कर उनका आशीर्वाद लिया।

इसके पश्चात् आचार्य विशुद्ध सागर सुयश सागर व 27 मुनियों के साथ जुलूस के रूप में दिगम्बर जैन खंडेलवाल भवन पहुंचे। इससे पहले अपने संक्षिप्त उद्बोधन में सुयश सागर ने कहा कि दुर्ग में गुरू शिष्य का मिलन हो रहा है।

इसे लेकर जो तैयारियॉं की गई है उसे देखकर ऐसा प्रतीत हो रहा है जैसे स्वर्ग धरती पर उतर आया है। जैन समाज के साथ आम लोग भी गुरू शिष्य का मिलन देखने आतुर हैं। उन्होंने कहा कि कई पुण्य के भव से गुरू के दर्शन होते है। गुरू शिष्य के मिलन से दुर्ग महातीर्थ बन गया है।

विशुद्ध सागर महाराज एक दिसंबर तक दिगम्बर जैन खंडेलवाल भवन में रहेंगे। इसके बाद दो दिसम्बर को सुबह नसिया तीर्थ में उनका मंगल प्रवेश होगा। इसके बाद आचार्य विशुद्ध सागर 3 से 8 दिसम्बर के बीच पंच कल्याणक प्रतिष्ठा महामहोत्सव में पाषाण को भगवान बनाने गर्भ, जन्म तप ज्ञान व मोक्ष कल्याणक की रस्म पूरी करेंगे।

इस अवसर पर सर्वहारा वर्ग की खुशहाली के लिए विश्व शांति महायज्ञ का भी आयोजन किया गया है। आचार्य विशुद्ध सागर के मंगल प्रवेश के लिए दिगम्बर जैन समाज द्वारा जोरदार तैयारी की गई थी। इस अवसर पर पंचकल्याणक महोत्सव समिति के संयोजक सजल काला, सह संयोजक संदीप लुहाड़िया, दिगम्बर जैन पंचायत के अध्यक्ष राकेश छाबड़ा, प्रचार-प्रसार प्रभारी सुनील गंगवाल, महापौर धीरज बाकलीवाल, समाज के अध्यक्ष ज्ञानचंद पाटनी, आदि लोग उपस्थित थे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950